सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 316 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 30 अगस्त 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा - पाकिस्तान के साथ बातचीत का दौर खत्म

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने दिल्ली में एक पुस्तक विमोचन समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान, बांग्लादेश और मालदीव से जुड़े मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि पड़ोसी हमेशा एक पहेली होते हैं। मुझे बताइए कि ऐसा कौन सा देश है जिसकी पड़ोसियों के साथ चुनौतियां नहीं हैं। वहीं, पाकिस्तान के साथ बातचीत और उसके साथ रिश्ते पर विदेश मंत्री ने कहा कि पड़ोसी देश के साथ बातचीत का दौर खत्म हो चुका है, उसके साथ कैसे रिश्तों की कल्पना करें।

बता दें, इस्लामाबाद में अक्तूबर में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के लिए पाकिस्तान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है। एक स्थानीय समाचार पत्र के अनुसार, विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि 15-16 अक्टूबर को होने वाली बैठक में भाग लेने के लिए देशों के प्रमुखों को निमंत्रण भेजा गया है। समें एक निमंत्रण भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी भेजा गया है।

उन्होंने पाकिस्तान के साथ रिश्तों पर आगे कहा कि हर एक एक्शन का रिएक्शन होता है। जहां तक जम्मू एवं कश्मीर की बात है तो अनुच्छेद 370 समाप्त हो चुका है। ऐसे में पाकिस्तान के साथ हम किस तरह के रिश्ते के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत अब आतंकवाद और बातचीत को एक साथ नहीं देख सकता है और पाकिस्तान को अपनी नीति पर पुनर्विचार करना होगा यदि वह भारत के साथ बातचीत करना चाहता है। उन्होंने कहा, 'हमने अतीत में पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए कई प्रयास किए, लेकिन आतंकवाद के मुद्दे पर उनकी दोहरी नीति के कारण यह संभव नहीं हो सका। अब समय आ गया है कि पाकिस्तान समझे कि बातचीत के लिए उसे आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करना होगा।

युवती ने आग लगाकर की आत्महत्या करने की कोशिश, आरपीएफ जवानों ने पहुंचाया अस्पताल

रायपुर। मंदिर हसौद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर एक युवती ने आत्महत्या करने के प्रयास में खुद को आग लगा ली। घटना आधी रात की है, जब 20 वर्षीय युवती, जो पटना, बिहार की निवासी है, प्लेटफार्म पर बैठी हुई थी और अचानक उसने खुद को आग लगा दी। आग लगने के बाद तुरंत मौजूद आरपीएफ जवानों ने युवती को अस्पताल पहुंचाया।

युवती के गंभीर रूप से जलने के कारण उसकी हालत अत्यंत गंभीर हो गई है, और उसे डीकेएस अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, युवती का 60 फीसदी से अधिक हिस्सा जल गया है। आत्महत्या की इस घटना का कारण फिलहाल अज्ञात है, और पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। मंदिर हसौद थाना इलाके में घटित इस घटना ने क्षेत्र में चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। पुलिस और रेलवे प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की है, और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि युवती को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। मामले की आगे की जांच में आत्महत्या के कारणों और युवती की की जानकारी प्राप्त करने की कोशिश की जा रही है।

हर बूथ को 200 मेम्बर का टारगेट

सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वालों पर होगा फोकस, बनाए जाएंगे 50 लाख सदस्य

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान 2 सितम्बर से प्रारम्भ होने जा रहा है। लेकिन इससे पहले ही इस अभियान के मापदंड तय किए जा रहे हैं। खबर है कि प्रदेश भाजपा ने प्रत्येक बूथ से 200 सदस्य बनाने का टारगेट फिक्स किया है। छत्तीसगढ़ में कुल करीब 23,681 बूथ है। यदि इस हिसाब से सदस्य बनाए जाते हैं तो छत्तीसगढ़ में ही भाजपा के सदस्यों का आंकड़ा 50 लाख को पार जा सकता है। यह भी पता चला है कि भाजपा ने सभी मोर्चा-प्रकोष्ठों को महतारी वंदन, पीएम आवास समेत केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लेने वाले हितग्राहियों को सदस्य बनाने का टास्क दिया है।

भाजपा के सभी मोर्चा व प्रकोष्ठों को 3-3 लाख सदस्य बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। इनमें युवा मोर्चा, महिला मोर्चा और एसटी मोर्चा समेत अन्य शामिल हैं। सभी मोर्चा प्रकोष्ठ गांव-गांव में कैम्प और चौपाल लगाने के साथ ही विभिन्न कार्यक्रम कर सदस्य बनाएंगे। अल्पसंख्यक मोर्चा को मस्जिद और मुस्लिम बाहुल्य बस्तियों में जाकर सदस्य बनाने का टास्क दिया गया है। इस सिलसिले में आज प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष किरण सिंह देव सभी 17 प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठक भी ले रहे हैं। गौरतलब है कि कि बुधवार 28 अगस्त को रायपुर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में सदस्यता अभियान को लेकर संयुक्त मोर्चा की कार्यशाला आयोजित की गई थी, इसमें प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 23,681 बूथ हैं। प्रत्येक बूथ में अगर हम कम से कम 200 सदस्य बनाएंगे तो इस हिसाब से सदस्यों की संख्या 50 लाख पार हो जाएगी।

भाजपा ने झोंकी पूरी ताकत

प्रदेश में सदस्यता अभियान के लिए भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। सदस्यता अभियान के लिए भाजपा कार्यालय में वार रूम बनाया गया है। अभियान के दौरान भाजपा के लगभग 50 हजार प्रभारी सीधे वार रूम से टच में रहेंगे। इसके साथ ही इनके बूथों से लेकर मंडल, शक्ति केंद्र, जिला प्रभारी बनाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, वार रूम में रोज सदस्यता के डाटा का अपडेट होगा। इसके साथ ही सदस्यता अभियान के दौरान अगर प्रभारियों को सदस्य बनाने में दिक्कत आती है तो वार रूम से इनको मदद भी मिलेगी। बता दें कि वार रूम में बने कॉल सेंटर में डेढ़ दर्जन जानकार अटेंडर मौजूद रहेंगे, जो नए सदस्यों का मार्गदर्शन करेंगे। छत्तीसगढ़ भाजपा ने राज्य में 50 लाख से ज्यादा सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

संभाग स्तरीय बैठक कल

सदस्यता अभियान की शुरूआत प्रदेश में 2 सितम्बर से होने जा रही है। वहीं, इस कड़ी में कल यानी 31 अगस्त को इस विषय में संभाग स्तरीय की एक महत्वपूर्ण बैठक की जाएगी। इस सदस्यता अभियान के तहत पूरे देश से लगभग 10 करोड़ नए सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य बनाया गया है, जिसके लिए विधायकों और सांसदों को नए सदस्य जोड़ने का टारगेट दिया जाएगा। विधायकों को 10-10 हजार सदस्य और सांसदों को 20-20 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया जाएगा। अभियान की शुरुआत सीएम विष्णुदेव साय द्वारा 3 सितंबर को की जाएगी। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाजपा में नए सिरे से 2 सितंबर को पहले सदस्य बनेंगे। छत्तीसगढ़ में सदस्यता अभियान से पहले कार्यकर्ताओं को चार्ज करने का काम किया जा रहा है।

मोर्चा-प्रकोष्ठों का नेटवर्क पार्टी का मूल

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा कि सब जगह प्रकोष्ठों का जो नेटवर्क है, वह पार्टी का मूल है। वह पार्टी का प्राण है। पार्टी का सदस्य है, तो पार्टी है। पार्टी है तो सत्ता और सरकार है। इसलिए भाजपा का सदस्य बनना हमारे लिए सबसे बड़े गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि प्रकोष्ठ के विस्तार और मजबूती के लिए ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाएंगे और अपने प्रकोष्ठ की सदस्यता का अलग डाटा रखेंगे। इस अभियान को गंभीरता से लेना है। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि हमें भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता होने का गौरव अनुभव होना चाहिए। आज पूरी दुनिया में वैचारिक आंदोलन चल रहा है और इसके साथ-साथ भाजपा का सदस्यता अभियान भी चलेगा। भाजपा मुख्यालय में हुई बैठक में बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी शामिल हुए।

पीएम मोदी होंगे पहले सदस्य

भाजपा मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में प्रदेशभर के मोर्चा-प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों की बैठक हुई। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव कहा कि चार सितंबर से प्रदेश में एक साथ शुरू होने जा रहे भाजपा सदस्यता अभियान में सबको अपनी सहभागिता सुनिश्चित करना है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो सितंबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा के हाथों पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर इस अभियान की शुरुआत करेंगे। तीन सितंबर को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सदस्यता ग्रहण कर प्रदेश में अभियान शुरू करेंगे। चार और पांच सितंबर से जिला और मंडलों में यह अभियान प्रारंभ होगा। उन्होंने कहा कि हमको सदस्य बनना है और बनाना भी है। चार महीने के बाद हम दो और चुनाव में जाने वाले हैं। एक नगरीय निकाय चुनाव और दूसरा पंचायत चुनाव। इनमें इस सदस्यता अभियान की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

जगदलपुर में 40 बच्चे फूड पॉइजनिंग का शिकार

एकलव्य स्कूल धरमपुरा की घटना अधिकारियों में हड़कंप

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। शहर के धरमपुरा स्थित एकलव्य विद्यायल के 40 बच्चे फूड पॉइजनिंग के शिकार हो गए हैं। सभी बच्चों को यहां महारानी अस्पताल में भर्ती कराया गया। गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक 40 बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही अफ्सरों में हड़कंप मच गया। सहायक आयुक्त की टीम मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार एकलव्य विद्यालय धरमपुरा में छठवीं से 10वीं तक करीब 300 बच्चे पढ़ते हैं। बीती रात सभी बच्चे खाना खाने के बाद सो गए। रात करीब 12 बजे के बाद बच्चों को उल्टी होना शुरू हो गया। इसके बाद इसकी जानकारी अधीक्षक को दी गई। तत्काल इसकी सूचना 108 को दी गई। मौके पर करीब चार एंबुलेंस पहुंचे और बच्चों को अस्पताल पहुंचाया गया। गुरुवार रात से शुक्रवार की सुबह तक एंबुलेंस की मदद से 40 बच्चों को अस्पताल पहुंचाया गया।

जो खाना दिया गया उसकी जांच की जा रही है-सोरी

इस मामले में सहायक आयुक्त गणेश सोरी का बयान भी आया है। उन्होंने कहा कि रात का खाना खाने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ी है। विद्यालय में जो खाना दिया गया उसकी जांच की जा रही है। इसके अलावा बच्चों से भी बात की जा रही है कि आखिर किन कारणों के चलते अचानक से बच्चो को उल्टियां होनी शुरू हो गई। फिलहाल बच्चों का उपचार जारी है और डॉक्टरों की टीम लगातार जांच कर रही है। जांच के बाद ही असल वजह सामने आ पाएगी।

फिनटेक फेस्ट में बोले पीएम मोदी- हमारी फिनटेक विविधता को देखकर दुनिया हैरान

मुंबई में जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में हुआ ग्लोबल फिनटेक फेस्ट

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुंबई में जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर के ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2024 को संबोधित किया। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया फिनटेक के मामले में भारत की विविधता को देखकर हैरान रह जाती है। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (तस्नस्न) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, एक समय था जब लोग हमारी सांस्कृतिक विविधता को देखकर आश्चर्यचकित हो जाते थे। अब लोग भारत आते हैं और हमारी फिनटेक विविधता को देखकर भी आश्चर्यचकित हो जाते हैं! एयरपोर्ट पर उतरने से लेकर स्ट्रीट फूड और शॉपिंग तक, भारत की फिनटेक क्रांति हर जगह दिखाई देती है।

मुंबई में कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि पहले संसद में लोग पूछते थे कि देश में पर्याप्त बैंक शाखाएं नहीं हैं, गांवों में बैंक उपलब्ध नहीं हैं, इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं...फिनटेक क्रांति कैसे आएगी? वे मुझ जैसे चायवाले से ऐसा पूछते थे...अब एक दशक के भीतर ब्रॉडबैंड उपयोगकर्ता 60 मिलियन (6 करोड़) से बढ़कर 940 (94 करोड़) मिलियन हो गए हैं।

देश में बैंकिंग सेवा चौबीसों घंटे और सातों दिन जारी

मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की फिनटेक क्रांति वित्तीय समावेशन में सुधार के साथ-साथ नवाचार को भी बढ़ावा दे रही है। फिनटेक फेस्ट के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत का यूपीआई पूरी दुनिया में फिनटेक का बहुत बड़ा उदाहरण बन गया है। आज गांव हो या शहर, सर्दी हो या गर्मी, बारिश हो गया बर्फ गिर रही हो, भारत में बैंकिंग सर्विस चौबीसों घंटे, सातों दिन और 12 महीने चलती रहती है। पीएम मोदी ने कहा कि अभी दो-तीन दिन पहले ही जनधन योजना के 10 साल पूरे हो गए हैं। ये जनधन खाते महिला सशक्तिकरण का बहुत बड़ा माध्यम गया है। इसके तहत 29 करोड़ से ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते खोले गए हैं।

जनधन खातों ने बचत और निवेश के नए अवसर बनाए

पीएम ने कहा, जनधन खातों ने महिलाओं के लिए सेविंग्स और निवेश के लिए नए अवसर बनाए हैं। इन खातों को आधार बनाकर हमने माइक्रो फाइनेंस की सबसे बड़ी स्कीम मुद्रा योजना लॉन्च की। इस स्कीम के 70 फीसदी लाभुक महिलाएं हैं। जनधन खातों ने महिलाओं के स्वयं सेवी समूहों को भी बैंकिंग से जोड़ा है। इसका फायदा आज देश की 10 करोड़ ग्रामीण महिलाओं को मिल रहा है, यानी जन धन योजना ने महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की एक मजबूत नींव रखी है। फिनटेक ने पैरलल इकोनॉमी पर भी चोट की है।

हम डिजिटल तकनीक के जरिए पारदर्शिता लाए: पीएम मोदी

पीएम ने कहाकि हम भारत में डिजिटल तकनीक के जरिए पारदर्शिता लेकर आए हैं। आज सरकार की सैकड़ों योजनाओं के तहत डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर किया जाता है। इसमें सिस्टम से लीकेज बंद हुई है। आज लोगों को फॉर्मल सिस्टम से जुड़ने में अपना लाभ नजर आता है। भारत में फिनटेक की वजह से जो बदलाव आया है वह सिर्फ तकनीक तक ही सीमित नहीं है। इसका सामाजिक प्रभाव बहुत व्यापक है। इससे गांव और शहर की खाई को दूर करने में मदद मिली है। पीएम ने कहा कि फिनटेक ने वित्तीय सेवाओं को लोकतांत्रिक बनाने में भी बड़ी भूमिका निभाई है।

जब ऐसी होंगी शिक्षकों की हरकतें तो...

श्रीकंचनपथ

रायपुर के दो सरकारी शिक्षकों पर महिला आयोग की गाज गिरी है। इन दोनों ने आपसी प्रेम संबंध की बात स्वीकार की है। इनमें से पुरुष शिक्षक शादीशुदा है। उसने अपनी पत्नी और बच्चों को छोड़ दिया है और अब उनका खर्चा भी नहीं उठाता। मामला महिला आयोग के पास पहुंचा तो बहुत सारी बातें और भी सामने आईं। शिक्षक की बेटी ने बताया कि पापा की फ्रेंड घर पर आकर मम्मी को धमकाती भी थी। महिला आयोग ने जिला शिक्षा अधिकारी को दोनों आरोपी शिक्षकों को निलंबित कर जांच शुरू करने के लिए पत्र लिखा है। आरोपी शिक्षिका को दो माह के लिए नारी निकेतन भेजने का भी आदेश आयोग ने दिया है। दरअसल, शासकीय सेवकों से आदर्श जीवन-यापन की उम्मीद की जाती है। यहां तो मामला शिक्षा के पवित्र पेशे से जुड़े लोगों का है। ऐसे लोगों से अपेक्षा की जाती है कि वे समाज के लिए आदर्श स्थापित करें। पर अमूमन ऐसा होता नहीं है। पुलिस, टीचर, जज, वकील सब इसी समाज से आते हैं। जैसा समाज होगा, जैसे सामाजिक मूल्य होंगे, आने वाली पीढ़ियां वैसी ही होती चली जाएंगी। आज जिस समाज में हम जी रहे हैं वहां किसी को किसी से कोई मतलब नहीं है। जरा-जरा सी बात पर लोग रिश्ते तोड़ लेते हैं। उनके आसपास रहने वाले भी अपनी आंखें बंद कर लेते हैं। जब लोगों के पास बातचीत करने तक के लिए कोई नहीं बचता तो वो फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स की आभासी दुनिया में ही खुद को रमा लेते हैं। यदि ऐसा नहीं होता तो शिक्षक को खुद उसके सहकर्मी ही समझा देते कि वह गलत कर रहा है। शिक्षक की पत्नी को भी पता होता कि सरकारी नौकरी करने वाला व्यक्ति यदि इस तरह के कदाचार में लिप्त होता है तो उसकी नौकरी जा सकती है। पीड़िता और आरोपी के आसपास के लोगों ने दिलचस्पी ली होती तो मामला पहले खंड शिक्षा अधिकारी और फिर जिला शिक्षा अधिकारी के पास पहुंचा होता। जाहिर है कि शिक्षक के आसपास रहने वाले किसी ने भी अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन नहीं किया। जब पूरा समाज ऐसी घटनाओं को निर्विकार भाव से देखने लगेगा तो उसके होने या नहीं होने का कोई अर्थ नहीं रह जाता है। यही कारण है कि समाज में लगातार अपराध बढ़ रहे हैं। समाज पहले तो छोटे-मोटे अपराधों को नजरअंदाज कर देता है और फिर जब अपराधी के हौसले बुलंद हो जाते हैं तो वह अपने घर के खिड़की दरवाजे बंद कर लेते हैं। ''छोड़ो न... हमें क्या करना है...'' बोलने वाले लोग राह चलते मिल जाएंगे। पर इस दृष्टिकोण के अपने नुकसान हैं। अपने इस दृष्टिकोण से हम एक पंगु और नपुंसक समाज का निर्माण कर रहे होते हैं। ऐसे समाज में केवल अपराधी संगठित होते हैं। और जब हमला आप पर होता है तो आपको अपने आसपास केवल तमाशबीन ही नजर आते हैं।

संपादकीय

हर भर्ती में भीड़

सरकारी नौकरी के प्रति लगाव का बढ़ते जाना जहां स्वाभाविक है, वहीं विचारणीय भी है। देश में अगर कहीं भी कोई सरकारी भर्ती निकल रही है, तो वहां युवाओं का हुजूम उमड़ पड़ रहा है। ताजा मिसाल, उत्तर प्रदेश से जुड़े आंकड़े हैं। उत्तर प्रदेश में करीब 60 हजार कांस्टेबल की भर्ती होनी है, पर उसके लिए 48 लाख से भी अधिक प्रार्थियों ने आवेदन कर रखा है। मोटे अनुमान के अनुसार, 80 में से मात्र एक को नौकरी नसीब होगी। फिर भी युवाओं को प्रयास करने का पूरा हक है और सभी को मौका भी मिलना चाहिए। उत्तर प्रदेश में जो भर्ती होने वाली है, उसमें राजस्थान, झारखंड, बिहार ही नहीं, मिजोरम तक के युवा भाग ले रहे हैं।

> मतलब, सरकारी नौकरी के प्रति हर जगह रुझान है। ऐसा भी नहीं है कि कांस्टेबल पद के लिए आवेदन करने वाले लाखों युवाओं में सभी बेरोजगार होंगे। निजी क्षेत्र में नौकरी कर रहे युवाओं ने भी आवेदन किया है, तो इसके पीछे उनकी यही सोच होगी कि सरकारी नौकरी उन्हें ज्यादा सुरक्षित करेगी।
>
> यह भीड़ संकेत है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को सरकारी नौकरी चाहिए। उत्तर भारत के राज्यों के आंकड़ों को अगर देखें, तो बेरोजगारी दर उतनी ज्यादा नहीं है, लेकिन जब सरकारी नौकरी मांगने वाले कहीं उमड़ते हैं, तो स्थिति भयावह नजर आने लगती है।

ऐसा नहीं है कि केवल उत्तर भारत में सरकारी नौकरी के लिए भीड़ लग रही है। याद कीजिए, जुलाई के महीने में ही मुंबई एयरपोर्ट पर भगदड़ की स्थिति बन गई थी। एयरपोर्ट लोडर के 2,216 पद थे और जिसके लिए 25,000 से भी ज्यादा युवा उमड़ आए थे। धक्का-मुक्की ऐसी हुई थी कि एअर इंडिया के अधिकारियों को भी किसी हादसे की चिंता सताने लगी थी। उस नियुक्ति प्रक्रिया में भी अनेक राज्यों के नौजवान शामिल हुए थे। अत: बेरोजगारी की समस्या या अच्छी नौकरी की खोज हर राज्य के लिए चिंतन-मनन का विषय है, पर क्या राज्य सरकारें इस समस्या को पूरी गंभीरता से समझ रही हैं? राज्य सरकारों ने निजी क्षेत्र की नौकरियों को आकर्षक बनाने के लिए क्या किया है? रोजगार सुरक्षा में असमानता को दूर करने के लिए कितने प्रयास किए जा रहे हैं? समाज में असंख्य लोगों को यह क्यों लगता है कि सरकारी नौकरी ही असली नौकरी है। अगर निजी क्षेत्रों में नौकरियों को आकर्षक और सुरक्षित बनाया जाए, तो शायद सरकारी नौकरी के लिए होने वाली मारामारी कम होगी।

हालांकि, ऐसा नहीं है कि सरकारें नौकरी नहीं दे रही हैं। नियुक्तियों का सिलसिला किसी भी साल रुका नहीं है, लेकिन जितनी नियुक्तियां होनी चाहिए, उतनी नहीं हो रही हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा जैसे क्षेत्रों में खाली पदों को प्राथमिकता के साथ भरना चाहिए, ताकि लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो। पुलिस की अगर बात करें, तो यहां देश भर में करीब नौ लाख नियुक्तियां हो सकती हैं। कानून व्यवस्था की चुनौती से निपटने के लिए पर्याप्त पुलिस बल होना ही चाहिए। इसमें क्या दोराय है कि जब उत्तर प्रदेश में 60,000 से ज्यादा नए कांस्टेबल सेवा में तैनात होंगे, तो यहां कानून-व्यवस्था की स्थिति और अच्छी होगी। इससे प्रदेश के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। यहां पूंजी या निवेश में भी वृद्धि होगी, जिससे रोजगार बढ़ेगा। वास्तव में, अच्छी सरकारी नौकरियां दूसरी तमाम नौकरियों के लिए संभावना बढ़ाती हैं और शायद हर राज्य में यही करने की जरूरत है। अगर ऐसा किया गया, तो नौकरी मांगने वालों की भीड़ धीरे-धीरे छंटती चली जाएगी।

नजरिया

ताकि भारत की तरक्की में बुजुर्गों का रहे योगदान

भारत के शहरों में हर चार में से एक आदमी सेहत संबंधी खर्चों की वजह से कर्ज का शिकार हो जाता है, जबकि गांवों में जमीन खरीदने पर खर्च के बाद बीमारियों से होने वाले खर्च का नंबर आता है। 'लॉन्गिट्यूडिनल एजिंग सर्वे' के आंकड़े वाकई चौंकाते हैं और चिंता में डालते हैं।

आभा जयसवाल,
जन-स्वास्थ्य विशेषज्ञ

अव्वल तो ये आंकड़े वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य देखभाल लागत की गंभीरता को उजागर कर देते हैं। इस नजरिये से 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान भारत योजना का विस्तार बुजुर्गों पर स्वास्थ्य देखभाल के वित्तीय बोझ को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि, इस योजना का लाभ सुनिश्चित करने के लिए इसे व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य तंत्र के साथ जोड़ना चाहिए। कम उम्र के लोगों की सेहत पर भी अगर ध्यान दिया जाए, तो ज्यादा उम्र होने पर यह आबादी लंबे समय तक सेहतमंद रह सकेगी।

ध्यान रहे, साल 2050 तक भारत की बुजुर्ग आबादी दोगुनी होकर लगभग 31.90 करोड़ तक पहुंच जाएगी। इसका मतलब यह होगा कि हर पांच भारतीय में से एक की उम्र 60 वर्ष से अधिक होगी। जाहिर है, इसका न सिर्फ हमारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली पर, बल्कि समूचे समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। अत: अब सवाल है कि हम इस जरूरी बदलाव को कैसे मुमकिन बनाएं? विश्व स्वास्थ्य संगठन इस मोर्चे पर तीन स्तंभों- स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भागीदारी के तहत कदम उठाने की सिफारिश करता है।

स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था को बदलने और बढ़ती उम्र वाली आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए ज्यादा निवेश की जरूरत पड़ेगी। बजट का एक बड़ा हिस्सा चिकित्सा सेवाओं को सुधारने पर खर्च होना चाहिए, ताकि जरूरतमंद आबादी को लाभ पहुंचाया जा सके।

दूसरी बात, जिस देश में लगभग 80 प्रतिशत लोग असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं, उनके लिए स्वास्थ्य सुरक्षा मजबूत करने की जरूरत है। अभी ग्रामीण विकास मंत्रालय के पास गरीबी रेखा से नीचे के बुजुर्गों के लिए गैर-अंशदायी वित्तीय सहायता और खाद्य सुरक्षा की कुछ योजनाएं हैं। हालांकि, उनमें राशि कम है और इन योजनाओं का उपयोग भी कम हो रहा है। ऐसे उपाय जरूरी हैं, ताकि लोग इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आगे आएं।

एक सफल सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम की एक मिसाल बोलीविया की रेंटा डिग्निडाड योजना है, जो बुजुर्गों की एक पेंशन योजना है। इस पेंशन योजना से जुड़े अनेक लाभ हैं और जिन परिवारों तक यह पहुंच गई है, उनके यहां बाल श्रम से लेकर स्कूल नामांकन तक गहरा प्रभाव पड़ा।

तीसरी बात, सेहत योजनाओं में भागीदारी को बढ़ावा देना होगा। सहज भुगतान की भी व्यवस्था करनी पड़ेगी। गौर कीजिए, अपने देश में बुजुर्ग आबादी समरूप नहीं है। कई लोगों की सेहत अच्छी है, ये लोग काम करना जारी रख सकते हैं, मगर जिनकी सेहत उतनी अच्छी नहीं है, वे घर में रहकर ही पोते-पोती या बच्चों के लालन-पालन में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। इस स्थिति में युवा महिलाओं को भी श्रमबल का हिस्सा बनने में सुविधा होगी।

अध्ययनों से पता चलता है कि बुजुर्गों के पास अद्वितीय समस्या-समाधान कौशल होता है और वे अपने साथ बड़ी सामाजिक थाती लिए होते हैं। उनमें समाज में योगदान देने की सहज इच्छा होती है। हमें समझना होगा कि बुजुर्ग भी हमारी संपदा हैं। मिसाल के लिए, अमेरिका में 'एक्सपीरियंस कॉर्प्स' नाम का एक कार्यक्रम है, जो खराब शैक्षिक परिणाम वाले कमजोर बच्चों की मदद के लिए प्रशिक्षित बुजुर्गों को स्कूली शिक्षा में स्वयंसेवक के रूप में शामिल करता है। अध्ययन बताते हैं, इस योजना से बच्चे और बुजुर्ग, दोनों को लाभ हुआ है। इससे बच्चों के साथ ही बुजुर्गों के भी तन-मन में सुधार देखा गया है। भारत में भी बुजुर्गों का ऐसे ही सदुपयोग होना चाहिए। इससे उनकी प्रासंगिकता भी बनी रहेगी और उनके स्वास्थ्य की भी रक्षा होगी।

अब बढ़ती उम्र से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने पड़ेंगे। समय आ गया है कि उम्र बढ़ने के एजेंडे को सामने या केंद्र में रखा जाए। साक्ष्य बताते हैं कि यदि उचित निवेश किया जाए, तो बुजुर्ग भी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के विचार के आधार पर आत्मनिर्भर भारत बनाने में योगदान दे सकते हैं।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

खतरनाक हैं मानसून में रुकावट की घटनाएं

ज्ञानेंद्र रावत

स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन समूची दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। सबसे अधिक चिंतित करने वाली बात यह है कि इससे जीवन का कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं रहा है। इसमें भी कोई संदेह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन से जहां समुद्र का जलस्तर बढ़ने से कई द्वीपों और तटीय महानगरों के डूबने का खतरा पैदा हो गया है, वहीं सूखे, जमी मिट्टी के ढीली होने के चलते तेजी से बिखरने, मिट्टी में कार्बन सोखने की क्षमता कम होते जाने, खारापन बढ़ने, बेमौसम बारिश के कारण बाढ़ आने, चक्रवात आने, कम समय में ज्यादा बारिश आने, शुष्क भूमि पर निर्भर लोगों के लिए भोजन का संकट बढ़ने, दुनिया के पचास फीसदी चारागाह नष्ट होने, फसल की पैदावार दर में तीन से बारह फीसदी के बीच गिरावट होने, लोगों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने, 30 फीसदी प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट मंडराने, सुपर बग का खतरा बढ़ने, अंटार्कटिका में उल्का पिंडों के गायब होने, बच्चों के उच्च जोखिम की स्थिति में पहुंचने और जीवन का अधिकार प्रभावित होने के साथ-साथ अब मानसून ब्रेक की घटनाओं का खतरा भी पैदा हो गया है।

जलवायु परिवर्तन के संकट से जूझ रही दुनिया इसकी भारी आर्थिक कीमत चुका रही है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस का कहना एकदम सही है कि जलवायु आपदा टालने में दुनिया पिछड़ रही है। समय की मांग है कि विश्व समुदाय सरकारों पर दबाव बनाये। यदि वैश्विक प्रयास तापमान वृद्धि को डेढ़ डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने में कामयाब रहे, तब भी 96.1 करोड़ लोगों के लिए यह खतरा बरकरार रहेगा। जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा दुष्परिणाम जनसमूहों के पलायन के रूप में सामने आया है। यह प्रवृति गरीब देशों से विकसित देशों की ओर बढ़ती देखी जा रही है, जो दिन-ब-दिन और भयावह हो रही है। यह स्थिति भारी असमानता को बढ़ावा देगी, जिसके परिणाम काफी खतरनाक होंगे।

आजकल मानसून ब्रेक के बारे में चिंताएं ज्यादा हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार जलवायु परिवर्तन ने इसे बढ़ाने में खासा योगदान दिया है। इसे यदि मानसून में रुकावट कहें, तो गलत नहीं होगा। यह कम दबाव के क्षेत्र में मानसून गर्त के खिसकने के कारण होता है। जब यह गर्त उत्तर की ओर खिसककर हिमालय की तलहटी से जाकर सटकर होती है, तब बारिश रुक जाती है। इसे यूं कहें कि मानसून के मौसम में जब झमाझम बारिश हो रही हो और वह अचानक बंद हो जाए, तो उसे मानसून ब्रेक कहते हैं।

ऐसे में प्रभावित क्षेत्र में तीव्र गर्मी वाली स्थिति पैदा हो जाती है। जिस इलाके में बारिश के चलते तापमान कम हो जाता है, वहां वह यकायक बढ़ जाता है। नतीजतन वहां अत्याधिक गर्मी पड़ती है और उसके बाद तेज वर्षा शुरू हो जाती है। यह अक्सर अगस्त के माह में होता है. इसका समय लगभग तीन से पांच दिन तक का रहता है। इसके बाद फिर बारिश शुरू हो जाती है। साल 1976 के बाद से सबसे अधिक लंबा मानसून ब्रेक पिछले साल अगस्त में देखने को मिला। सच तो यह है कि मानसून ब्रेक के बाद उमस बहुत तेजी से बढ़ती है। उस दशा में लोग बेचैनी महसूस करते हैं। उस समय तापमान 26-27 डिग्री सेल्सियस से लेकर 32-33 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है. तापमान में आयी यह बढ़ोतरी अनेक स्वास्थ्य संबंधी विकृतियों-बीमारियों का सबब बनती है। यह मौसमी बदलाव स्वास्थ्य के लिए तो हानिकारक है ही, कृषि भी इससे काफी हद तक प्रभावित होती है। फसलों के उत्पादन पर पड़े असर की वजह से बाजार में कीमतें आसमान छूने लग जाती हैं।

होता यह है कि इस दौरान ट्रफ रेखाएं हिमालय की तलहटी में चली जाती हैं। सामान्यत: ये ट्रफ रेखाएं हमारे मरु प्रदेश राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले से होकर कोलकाता तक चलती हैं। मानसून में ठहराव या ब्रेक अस्थिरता का कारण बनता है, जो सूखे की लंबी अवधि और छोटे वर्षाकाल का सबब बनता है। मानसून प्रणालियों में बदलाव कम दबाव और गर्त की स्थिति दक्षिण की ओर चले जाने और अत्याधिक बाढ़ जैसी घटनाओं के जन्म का कारण बनती हैं। परिणामस्वरूप गर्मियों में यह उत्तरी हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी को प्रभावित करता है। इसका प्रभाव क्षेत्र अपेक्षाकृत मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल का करीब 1,000 किलोमीटर की परिधि के क्षेत्र के बराबर हो सकता है। इसमें ला नीना की भयावह स्थिति का बना रहना, पूर्वी हिंद महासागर का असामान्य रूप से गर्म होना, हिमालयी क्षेत्रों की पूर्व मानसूनी गर्मी और ग्लेशियरों के पिघलने की अहम भूमिका रहती है. इस दौरान 35 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान ऊष्मा को और बढ़ाता है. इससे कृषि प्रक्रियाएं तो प्रभावित होती ही हैं, इसके परिणामस्वरूप बौनापन, उर्वरता में कमी, गैर व्यवहारी पराग और अनाज की गुणवत्ता गहरे तक प्रभावित होकर कम हो जाती है। निष्कर्ष यह कि ऐसी स्थिति से निपटने के लिए विश्वसनीयता और स्थिरता की दृष्टि से देश के मानसून पूर्वानुमान की बेहतर प्रणाली स्थापित करने की बेहद जरूरत है, तभी इस दिशा में कुछ सार्थक बदलाव की उम्मीद की जा सकती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

ब्रिक्स से जुड़ना चाहता है मलेशिया

भारत यात्रा पर आए अनवर इब्राहिम की प्राथमिकताओं में मलेशिया को ब्रिक्स में शामिल करना शामिल है। मलेशिया चाहता है उसे इस समूह की सदस्यता मिल जाए।

अगस्त 2019 में मलेशिया से भारत के संबंध बेहद बिगड़ गए, जब नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से संबंधित संविधान के अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी कर दिया। लेकिन अब मलेशिया के प्रधानमंत्री दातुक सेरी अनवर इब्राहिम ने भारत आकर संबंधों को सामान्य बनाने की पहल की है। नई दिल्ली में उनसे द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एलान किया कि दोनों देशों ने अपने संबंध का दर्जा बढ़ाने का फैसला किया है। भारत और मलेशिया ने अब अपने संबंध को व्यापक रणनीतिक सहयोग का दर्जा दिया है। बेशक, रिश्तों में इस मोड़ का एक पक्ष व्यापारिक है। गुजरे पांच वर्षों में भी दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते बढ़े हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में द्विपक्षीय व्यापार करीब 20.01 अरब डॉलर का रहा। भारत में मलेशिया का निवेश लगभग 3.3 अरब डॉलर है। अप्रैल 2023 से दोनों देशों के बीच आपसी मुद्रा में व्यापार भुगतान का समझौता लागू हो चुका है। भारत यात्रा में इब्राहिम का एक मकसद इस प्रणाली को और सहज बनाना भी रहा।

यह उनकी सरकार की विदेश नीति संबंध नई प्राथमिकताओं का हिस्सा है। उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में मलेशिया को ब्रिक्स में शामिल करना भी शामिल है। मलेशिया चाहता है कि अक्टूबर में रूस में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान उसे इस समूह की सदस्यता मिल जाए। संकेत हैं कि इस बारे में रूस और चीन की सहमति उसे मिल चुकी है। ब्रिक्स में फैसले आम सहमति से होते हैं। इसलिए मलेशिया के सदस्यता प्रस्ताव पर भारत एतराज ना जताए, इसे सुनिश्चित करने की जरूरत इब्राहिम ने महसूस की होगी। इस बात की आधिकारिक जानकारी दी गई है कि नई दिल्ली में मोदी के साथ उन्होंने इस मुद्दे पर बातचीत की। खबरों के मुताबिक अगले शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स आपसी मुद्राओं के जरिए भुगतान के लिए स्विफ्ट जैसा सिस्टम लॉन्च करेगा। यह कदम डॉलर के जरिए भुगतान के अब तक जारी चलन से पीछा छुड़ाने की ब्रिक्स की बड़ी योजना का हिस्सा है। भारत इस योजना में शामिल है और अब मलेशिया भी इससे जुड़ना चाहता है। अनवर इब्राहिम की नई दिल्ली यात्रा का बड़ा संदर्भ यही रहा है।

(राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी)

निर्यात और निवेश के समक्ष नई चुनौतियां

जयंतीलाल भंडारी

हालिया आंकड़ों के अनुसार भारत से वस्तुओं का निर्यात जुलाई 2024 में सालाना आधार पर 1.2 प्रतिशत घटकर 33.98 अरब डॉलर रहा। पिछले साल इसी महीने में निर्यात का मूल्य 34.39 अरब डॉलर था। जहां इस समय भारतीय निर्यातक बांग्लादेश के सियासी हालात को लेकर चिंतित हैं, वहीं वे चीन को किए जा रहे निर्यात में कमी से भी चिंतित हैं। साथ ही निर्यातकों को विदेशी बाजारों में कमजोर मांग और व्यापार में अन्य बाधाओं से जूझना पड़ रहा है। पिछले दिनों भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एग्जिम बैंक) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत के वस्तु निर्यात में वृद्धि जुलाई से सितंबर 2024 की तिमाही में घटकर 4 फीसदी रह सकती है। कहा गया है कि इस समय वैश्विक परिदृश्य विभिन्न आर्थिक और राजनीतिक अनिश्चितताओं से प्रभावित होने के कारण भारत के निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। निस्संदेह, इन दिनों बांग्लादेश के राजनीतिक संकट, भयावह होते रूस-युक्रेन युद्ध, इस्राइल-ईरान संघर्ष और अमेरिका व जापान सहित दुनिया के कई देशों में मंदी की लहर के कारण भारत से निर्यात की रफ्तार और भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की चुनौतियां बढ़ गई हैं। एक अगस्त से सरकार ने चीन सहित सीमावर्ती देशों से भारत में विनिर्माण परियोजनाओं से जुड़े टेक्नीशियनों के लिए नई वीजा व्यवस्था लागू कर दी है। वर्ष 2024-25 के आम बजट में भी इस परिप्रेक्ष्य में कारगर रणनीतियां दिखाई दे रही हैं। साथ ही वाणिज्य विभाग निर्यात प्रोत्साहन की दो महत्वपूर्ण योजनाओं को उनकी समाप्ति तिथि से आगे बढ़ने पर जोर दे रहा है।

उल्लेखनीय है कि राजनीतिक अस्थिरता से भारत-बांग्लादेश व्यापार पर नया संकट खड़ा हो गया है। दक्षिण एशिया में बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है तथा बांग्लादेश भारत का 8वां सबसे बड़ा निर्यात बाजार भी है। पिछले वर्ष 2023-24 में भारत ने बांग्लादेश को 11 अरब डॉलर मूल्य का निर्यात किया है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से जून, 2024 की पहली तिमाही में जहां निर्यात धीमी रफ्तार से बढ़े हैं, वहीं आयात की रफ्तार अधिक रहने से विदेश व्यापार घाटे में वृद्धि हुई है। इन तीन महीनों में कुल निर्यात 200.33 अरब डॉलर मूल्य के रहे हैं, जिसमें वस्तु निर्यात 109.96 अरब डॉलर और सेवा निर्यात 90.37 अरब डॉलर मूल्य के हैं। जबकि कुल आयात 222.90 अरब डॉलर मूल्य के हैं। जिसमें वस्तु आयात 172.23 अरब डॉलर और सेवा आयात 50.67 अरब डॉलर मूल्य के हैं। चूंकि इस वित्त वर्ष में भारत द्वारा कुल निर्यात का लक्ष्य पिछले वर्ष के कुल 776 अरब डॉलर मूल्य के निर्यात से भी कुछ अधिक 800 अरब डॉलर की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचाना सुनिश्चित किया गया है।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि वैश्विक सुस्ती व बड़े देशों के बीच युद्ध की तनातनी से देश के एफडीआई परिदृश्य पर भी चुनौतियां बढ़ी हैं। भारत में एफडीआई का प्रवाह 2023-24 में 3.49 प्रतिशत घटकर 44.42 अरब डॉलर रह गया। इसका कारण सेवा, कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, ऑटो और फार्मा जैसे क्षेत्रों में निवेश का कम रहना है। 2022-23 के दौरान एफडीआई का प्रवाह 46.03 अरब डॉलर था। पिछले वर्ष कुल एफडीआई जिसमें इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी शामिल हैं- एक प्रतिशत घटकर 70.95 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2022-23 में यह 71.35 अरब अमेरिकी डॉलर था। एक, वर्ष 2024-25 के बजट के तहत निर्यात बढ़ाने और एफडीआई आकर्षित करने के लिए सुनिश्चित किए गए अभूतपूर्व बजट आवंटनों का शुरुआत से ही कारगर उपयोग किया जाए। दो, सेवा निर्यात को हरसंभव तरीके से बढ़ाया जाए और सेवा क्षेत्र में एफडीआई आकर्षित की जाए। तीन, निर्यातकों को शुल्क के अलावा आने वाली बाधाओं (नॉन-टैरिफ बैरियर) से राहत दी जाए तथा एफडीआई की प्रक्रिया को और सरल बनाया जाए तथा चार, नए संभावित निर्यात बाजार तलाशे जाएं और एफडीआई के नए वैश्विक निवेशक खोजे जाएं। इसमें कोई दोमत नहीं है कि एक अगस्त से लागू की गई व्यापार वीजा की नई व्यवस्था निर्यात व निवेश बढ़ाने में लाभप्रद होगी।

(ये लेखक के विचार हैं)

शिवराज सिंह चौहान,
केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री

देश संवारने में लगीं लखपति दीदियां

किसी बहन की आंखों में आंसू न रहे, हर एक चेहरे पर मुस्कराहट आए, कोई मजबूर न रहे, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है, इसीलिए उन्होंने लखपति दीदी अभियान चलाया है। ऐसी दीदी, जिनकी सालाना आय एक लाख रुपये से अधिक हो, ऐसी एक करोड़ दीदियां लखपति बन चुकी हैं और विगत 100 दिन में 11 लाख दीदी लखपति बनी हैं। हमारी सरकार इस अभियान में तेजी से जुटी हुई है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में इस अभियान से लगातार महिलाएं जुड़ रही हैं और स्व-सहायता समूह के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रही हैं। जल्द ही तीन करोड़ दीदियां लखपति दीदी बन जाएंगी। देश में महिलाएं आगे बढ़ें, समृद्ध और संपन्न बनें व प्रगति के नए आयाम स्थापित करें, इसके लिए विगत 10 वर्षों से महिला कल्याण के अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। महिलाओं के शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तीकरण को सुनिश्चित किया गया है।

महिलाएं हमारे समाज और राष्ट्र की धुरी हैं। हमारे गौरवशाली और समृद्ध भविष्य का आधार हैं। हमारे वेदों और पुराणों में नारी के महत्व का उल्लेख किया गया है। नारी शक्ति के बिना राष्ट्र की समृद्धि की कल्पना नहीं की जा सकती है, इसलिए प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति के समग्र विकास और संपूर्ण उत्थान को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया है।

महिला सशक्त होगी, तो परिवार सशक्त होगा, परिवार सशक्त होगा, तो समाज सशक्त होगा और समाज के सशक्त होने से राज्य व राष्ट्र सशक्त होगा। लखपति दीदी अभियान से पीढ़ियां समृद्ध और सशक्त हो रही हैं, इसलिए महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार ने 2,500 करोड़ रुपये 'रिवॉल्विंग फंड' के रूप में स्वयं-सहायता समूहों के खातों में डाले हैं और पांच हजार करोड़ रुपये के बैंक ऋण जारी किए हैं, जिससे बहनें तेजी से लखपति दीदी बन सकें।

प्रधानमंत्री कहते हैं कि भारत को विकसित बनाने के लिए भारत की प्रत्येक महिला को आर्थिक रूप से समृद्ध करना होगा, इसलिए हमारी सरकार महिलाओं की आर्थिक शक्ति को बढ़ाने के लिए सभी दिशाओं में काम कर रही है। बैंक सखी, कृषि सखी, पशु सखी, नमो ड्रोन दीदी इसी दिशा में बढ़ाए गए महत्वपूर्ण कदम हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को रोजगार-स्वरोजगार के नए अवसर देने और सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक पहलुओं पर सशक्त बनाने की सोच को दर्शाते हैं। आज हमारी लखपति दीदी कृषि और गैर-कृषि, कुटीर उद्योग, पोषण आहार, स्वच्छता अभियान, परिवहन सहित व्यापार से जुड़कर सशक्त हो रही है।

गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए नरेंद्र मोदी ने बहनों-बेटियों के सर्वसमावेशी विकास के लिए 'नारी गौरव नीति' जैसी योजना बनाई थी। वहां बहनें स्वावलंबी, आत्मनिर्भर, सशक्त और आर्थिक रूप से सक्षम बनें, इस दिशा में अनेक कार्य किए गए। आज बहनें सिद्ध कर रही हैं कि वे अबला नहीं, सबला हैं। बोझ नहीं, वरदान हैं। आज देश भर में करीब 92 लाख स्व-सहायता समूह कार्य कर रहे हैं, जिनसे 10 करोड़ बहनें जुड़ी हैं। स्व-सहायता समूह के माध्यम से बहनों ने अपना जीवन बदला है और वे देश की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

सरकार का सदैव यह प्रयास रहा है कि बहनों के जीवन में कैसे खुशियां लेकर आएं। इसके लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अनेक तरह की योजनाएं भी बनाई गई हैं। जहां एक ओर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान और 'सुकन्या समृद्धि' जैसी योजनाओं के माध्यम से लिंगानुपात में क्रांतिकारी बदलाव आया है। 'उज्ज्वला योजना' के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक बहनों का खुशहाली से कनेक्शन जुड़ा और धुएं से मुक्ति मिली। आज पीएम मुद्रा योजना और जन-धन योजना के माध्यम से करोड़ों बहनों के खाते में खुशियां सीधे पहुंच रही हैं। जल जीवन मिशन जैसे अभूतपूर्व प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में भी बहनों को नल से शुद्ध जल मिलना आसान हुआ है। मातृत्व अवकाश की अवधि बढ़ाने का प्रधानमंत्री का निर्णय अभूतपूर्व है और इसका सीधा लाभ कामकाजी महिलाओं को मिल रहा है। बेटियों के लिए सैनिक स्कूल के द्वार खोलने जैसे निर्णयों से सेना में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ रहा है। साथ ही, भारतीय सेना में महिला अधिकारियों को उच्च पदों पर नियुक्ति और नई भर्ती के द्वार भी खोले गए हैं। तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाकर, मुस्लिम महिलाओं को नया अधिकार दिया गया, जिससे उनका भाग्य बदला है। खेलों के क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ें, नई प्रतिभा बाहर आए, इसलिए खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों से निकली खिलाड़ी बेटियों ने ओलंपिक जैसे वैश्विक मंचों पर भारत का तिरंगा लहराया है।

आजादी के अमृतकाल में नारी का अभ्युदय और प्रत्येक क्षेत्र में उसकी भागीदारी सुनिश्चित हो, इसके लिए प्रधानमंत्री प्रतिबद्ध हैं। महिला कल्याण केंद्रित योजनाओं से महिलाओं को सुगमता के साथ जीवन जीने का अवसर मिला है। बेटियां गंगा, गीता, गायत्री हैं। सीता, सत्या, सावित्री हैं। दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती हैं। इनके बिना सृष्टि नहीं चल सकती। आज परिवार से लेकर पंचायत तक, शिक्षा से लेकर अर्थव्यवस्था व उद्यम तक, नारी शक्ति हर क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रही है। स्टार्टअप से लेकर स्पेस तक भारतीय महिलाओं ने अपना परचम लहराया है। प्रधानमंत्री ने लाल किले के प्राचीर से कहा कि मैं विकसित भारत बनाने के लिए तीन गुना अधिक ताकत से काम करूंगा। मेरी लखपति दीदियों से अपील है कि हमें भी दोगुनी रफ्तार से काम करना चाहिए। उनका संकल्प है गरीबी मुक्त गांव, ऐसे गांव बनाने में हम कोई कसर न छोड़ेंगे।

हमारे प्राचीन ग्रंथों में लिखा है, 'नारी के बिना यज्ञ अधूरा है।' विकसित भारत के निर्माण और राष्ट्र के संपूर्ण कल्याण का यज्ञ भी नारी के उत्थान एवं उसके सशक्तीकरण के साथ ही संभव है। देश भर में माताओं, बहनों एवं बेटियों के कल्याण के जो कार्य हो रहे हैं, वह 'विकसित और आत्मनिर्भर भारत' की भव्य इमारत को दिव्य आकार दे रहे हैं। आज हमारी माताएं, बहनें आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर हो रही हैं और हम सब विकसित भारत के स्वप्न को साकार होते देख रहे हैं। संपूर्ण विश्व कह रहा है कि यह समय भारत और भारत की नारी शक्ति के उदय का है।

(ये लेखक के विचार हैं)

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश के डॉक्टरों ने सराहा भिलाई की डॉ.उन्नति का शोध पत्र व पोस्टर

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई की प्रतिभावान चिकित्सक डॉक्टर उन्नति धाबर्डे को लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय चिकित्सा कॉन्फ्रेंस में शोध पत्र व पोस्टर प्रस्तुतिकरण पर सम्मानित किया गया। कान के तंत्रिका संबंधी विकारों का अध्ययन और उपचार से संबंधित न्यूरो ओंटोलॉजी यूनिट एसजी पीजीआई लखनऊ के तत्वावधान में न्यूरो-ओंटोलॉजिकल और इक्लिलिब्रियोमेट्रिक सोसाइटी ऑफइंडिया ने इस 42 वीं राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन लखनऊ में किया था। इस कॉन्फ्रेंस में कान-नाक-गला विभाग एम्स रायपुर में एमएस कर रही डॉक्टर उन्नति धाबर्डे ने अपना शोध पत्र और पोस्टर प्रस्तुत किया। जिसे देश-विदेश से आए डॉक्टरों ने बेहद सराहा। डॉक्टर उन्नति को उनके शोध पत्र वेस्टीब्युलर डिस्फंक्शन इन क्रॉनिक ओटाइटिस मीडिया पेशेंट पर इस राष्ट्रीय सम्मेलन में तीसरा स्थान मिला वहीं उनके बनाएं चिकित्सा पोस्टर रीजेनरेटिव मेडिसिन इन ओंटोलॉजी को कांस्य पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। इससे पहले डॉ उन्नति राज्य स्तरीय ईएनटी कॉन्फ्रेंस में अपने पेपर प्रस्तुतिकरण में गोल्ड मेडल से सम्मानित हो चुकी हैं। शुरू से मेधावी छात्रा रही डॉ उन्नति की 12 वी तक शिक्षा बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 से हुई है। उन्होंने एनटीएसई और केवीपीवाई परीक्षा में भी सफलता हासिल की थी।

सिंगलयूज प्लास्टिक, फल, जूस एवं सड़े गले खादय पदार्थ विक्रय करने वाले दुकानदारों पर कार्यवाही

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन क्रमांक 01 नेहरू नगर अंतर्गत सिंगल यूज प्लास्टिक रखने वाले, फ्रूट विक्रेताओ एवं होटल संचालकों दुकानदारो पर निगम की टीम ने की कार्यवाही। निगम क्षेत्र के वार्ड क्रं. 10 एवं 17 में जोन 01 की टीम द्वारा दुकानो का निरीक्षण करने पहुंची। वहां पर फ्रूट ठेला, मिठाई खादय पदार्थ बेचने वालो दुकानो पर जॉच किया गया। दुकानदारो द्वारा नगर निगम की टीम को देखते ही अपनी झिल्ली, पन्नी को छिपाने लगते है और इधर-उधर फेंक देते है। पूछने पे कहते है कि यह आखरी है, अब नहीं रखूगॉ। निगम की टीम जाते ही फिर से झिल्ली में रखके बेचने लगते है। जॉच में सिगल यूज प्लास्टिक रखने वाले दुकानदारो पर कार्यवाही करते हुए, सड़े गले फ्रूट विक्रेता एवं बासी खादय पदार्थ विक्रेताओ से 12800 रूपये का अर्थदण्ड वसूल किया गया। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर सभी जोन क्षेत्र में सिंगलयूज प्लास्टिक विक्रताओ पर कार्यवाही की जा रही है। महापौर नीरज पाल ने सभी विक्रेताओ से अपील की है कि सिंगलयूज प्लास्टिक का उपयोग मत करें। सिंगलयूज प्लास्टिक पर्यावरण एवं जानवरो को काफी नुक्सान पहुंचता है। हमारी नालियो को जाम कर देता है, जिससे पानी अवरूद्ध हो जाने से मच्छर पनपते है और बिमारियो को बढ़ावा मिलता है। साथ ही आम नगारिको से भी निवेदन किये है, सामग्री लेते समय अपने घरो से झोला या थैला लेकर निकले। अक्सर देखने में आता है, सिंगलयूज प्लास्टिक में गरम गरम सामग्री, चाय इत्यादि लोग पैक कराके ले जाते है। अपने घरो में स्वयं या अपने परिवार के साथ खाते है।

सड़क किनारे लगे 70 से अधिक अवैध साइन बोर्ड को किया जब्त

रिसाली। सबसे व्यस्त कृष्णा टॉकीज रोड के किनारे बिना अनुमति के लगाए विज्ञापन वाले साइन बोर्ड को जब्त किया गया। लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को कम करने निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने उक्त निर्देश दिए है। लगभग 3 घंटो से भी अधिक समय तक चले कार्रवाई में 70 से भी अधिक साइन बोर्ड जब्त किया गया। रिसाली निगम क्षेत्र के सबसे व्यस्त कृष्णा टॉकिज मार्ग के किनारे की खाली जमीन साइन बोर्ड से भर गया था। स्थिति ऐसी थी कि साइन बोर्ड की वजह से दुकान आने वाले ग्राहकों को दुपहिया वाहन को सड़क पर खड़ी कर रहे थे। इस वजह से सड़क दुर्घटना लगातार होने की शिकायत आ रही थी। आयुक्त के निर्देश पर चली इस कार्रवाही में राजस्व व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने जेसीबी से 70 साइन बोर्ड को उखाड़कर जब्त किया। आयुक्त मोनिका वर्मा ने राजस्व विभाग को निर्देश दिए है कि जब्त साइन बोर्ड के स्थान पर अन्य बोर्ड न लग इस बात की अधिकारी निगरानी करे। अगर किसी प्रतिष्ठान का सड़क की जमीन में बिना अनुमति बोर्ड लगा दिखे तो उसे तत्काल जब्त करे। साथ ही जो प्रतिष्ठान साइन बोर्ड लगाया है उससे जुर्माना भी वसूले। इस दौरान निगम के जन स्वास्थ्य विभाग ने साफसफाई और गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। सड़क पर गंदगी डालने पर लाजवाब जायका वेज बिरयानी सेंटर से 2000 वसूला।

एक युद्ध नशे की विरूद्ध 'संकल्प जागरूकता अभियान' का शुभारंभ, एसपी बोले-

नशे के खिलाफ एक होकर लड़ना होगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पुलिस द्वारा नशे के कारण होने वाले अपराध एवं सामाजिक बुराई को रोकने के लिए आज दिनांक को नगर निगम दुर्ग के सभागार में एक युद्ध नशे के विरूद्ध संलल्प जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दुर्ग एसपी जितेन्द्र शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफसभी को एक होकर लड़ना होगा तभी इस सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म किया जा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान अरविंद एक्का, अतिरिक्त दण्डाधिकारी दुर्ग, दुर्ग निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर, एसडीएम अरविंद मिरी, एएसपी सुखनंदन राठौर, एएसपी अभिषेक झा, सीएसपी चिराग जैन, एएसपी पद्मश्री तवर, समाज कल्याण विभाग से अमित सिंह, महिला बाल विकास विभाग से अजय शर्मा, कल्याणी नशा मुक्ति केन्द्र सुपेला से अजय देशमुख सहित बड़ी संख्या ट्रांसपोर्टर व चालक परिचालक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में एएसपी सुखनंदन राठौर ने कहा कि दुर्ग पुलिस द्वारा एक युद्ध नशे के विरूद्ध संकल्प जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है जो कि नशे के कारण होने वाले अपराधों की रोकथाम एवं नशे के कारण हमे क्या नुकसान होता है इस पर नियंत्रण रखने अभियान चलाया जा रहा है।

मेडिसिन के साथ मनोवैज्ञानिक तरीके से इलाज

कल्याणी नशा मुक्ति केन्द्र संस्था से उपस्थित मनीष कल्याणी ने बताया कि हमारे संस्था में 90 प्रतिशत नशे से गिरफ्त लोगो को उनके परिवार के द्वारा लाया जाता है। शेष 10 प्रतिशत लोग स्वयं से चलकर इस नशे की गिरफ्त से बाहर निकलने हमारे पास आते है हम उन्हें मेडिसिन के साथ साथ मनोवैज्ञानिक तरीके से उनका इलाज का कार्य करते हैं। उन्हें भविष्य में एक खुशहाल जिन्दगी जीने का मकसद बताते हुए खुशी खुशी हमारी संस्था से परिवार में वापस जाते है। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथियों द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी आमजन को नशा न करने और इसके दुष्प्रभाव को अपने परिवार मित्रों को बताते हुए नशा करने वाले को नशा न करने की समझाईस देने की शपथ दिलाया गया।

प्रशासन के साथ समाज की भी भागीदारी जरूरी

कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधीक्षक दुर्ग जितेन्द्र शुक्ला ने कहा कि दुर्ग पुलिस द्वारा नशे के विरूद्ध चलाये जा रहे इस संकल्प जागरूकता अभियान को सफल बनाने के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा जिसमें प्रशासन, समाज एवं समाजिक संस्थाओं को अपनी अपनी भागीदारी निभानी होगी तभी हम दुर्ग जिले को नशे से मुक्त जिला बना सकते है हम सब की जिम्मेदारी बनती है कि हम अपने आने वाली पीढी को एक अच्छे समाज का निर्माण करके दे ताकि भविष्य में वें इस समाजिक बुराईयों से दूर रहे। पुलिस अधीक्षक द्वारा कहा गया कि आप जब भी कहो मै हमेशा आपके साथ 24 घंटे उपस्थित रहूगां और समाज में जो नशे का व्यापार कर रहे है उसकी सूचना हमें दे।

नशा सामाजिक बुराई : अरविंद एक्का

कार्यक्रम में उपस्थित अरविंद एक्का, अतिरिक्त दण्डाधिकारी ने कहा कि नशा एक समाजिक बुराई जिसे दूर करने जिला प्रशासन विभाग द्वारा अलग अलग जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से नशे से दूर रहने अपील किया जा रहा है ताकि एक स्वस्थ्य एवं खुशनुमा समाज का निर्माण किया जा सकें। आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने इस मौके पर कहा कि पुलिस विभाग द्वारा किये जा रहे इस नेक अभियान में नगर निगम दुर्ग भी इस जागरूकता अभियान को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा ताकि नशे के कारण होने वाले अपराध पर अंकुश लगाया जा सके और लोगों को नशे के दुष्प्रभाव से अवगत कराया जा सकें।

सभी के सहयोग से इस बुराई को दूर करें

एसडीएम दुर्ग हरिवंश मिरी द्वारा छत्तीसगढी भाषा मे अपने विचार को प्रकट करते हुए दुर्ग पुलिस द्वारा चलाये जा रहे इस अभियान कि भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा गया कि आज कि युवा वर्ग नशे के गिरफ्त में है जिसे हम एवं आपके सहयोग से ही इस बुराई को दूर करना है। समाज कल्याण विभाग से आए अमित सिंह ने कहा कि इस युद्ध में सहयोग करने के साथ-साथ समाजिक बुराई को मुक्त करने के लिए एवं नशे के कारण हो रहे बढते अपराध को रोकने पुलिस के साथ साथ आमजन की भी विशेष भूमिका रहती है आप अपने आस पास नशाखोरी को रोकोगें तो निश्चित ही अपराध पर अकुंश लगाया जा सकता है नशा एक समाजिक बुराई है जो समाज के हर वर्ग को प्रभावित करती है।

महिला व बच्चे भी इस दुष्प्रभाव से पीड़ित

महिला एवं बाल विकास विभाग के अजय शर्मा ने बताया कि नशे के कारण आज के समय में महिला के साथ साथ बच्चे भी इस दुष्प्रभाव से पीडित है जिससे लोगो की आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है इस कारण परिवार में विवाद की स्थिति होती है हमारा विभाग इस समाजिक बुराई को दूर करने में लगातार कार्य कर रही है शहर के साथ साथ गांवो में भी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है जो अब आगे दुर्ग पुलिस के साथ मिलकर इस दुष्प्रभाव को दूर करने में हर संभव प्रयास करेगी।

पान ठेला संचालक को रखना होगा पीकदान, गुमटी-ठेला के सामने डस्टबीन

ब्रांड एंबेसडर के साथ निगम चालाएगा जागरूकता अभियान

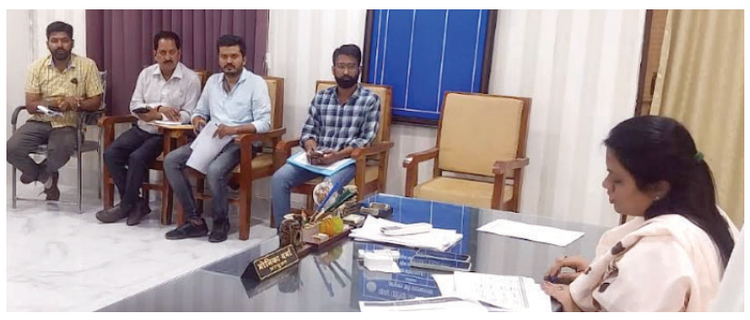

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र के पान दुकान संचालक को अब से पीकदान रखना होगा। वहीं चाय व नास्ता ठेला लगाने वालों को डस्टबीन रखना अनिवार्य किया गया है। इसके लिए आयुक्त मोनिका वर्मा ने छोटे-छोटे व्यापारियों को 7 दिन की मोहलत दी है।

शहर से रेड स्पॉट खत्म करने के लिए निगम आयुक्त गंभीर है। उन्होंने निगम क्षेत्र में संचालित पान दुकान संचालक को एक पीकदान रखने के निर्देश दिए है। साथ ही दुकान संचालक को पान दुकान के सामने पान मसाला और अन्य सामान के रैपर को रखने डस्टबीन भी रखना होगा। इसी तरह सभी गुमटी और नास्ता ठेला संचालक को डस्टबीन रखना अनिवार्य किया है। पान दुकान या फिर अन्य गुमटी ठेला के आस पास रेड स्पाट या फिर गंदगी मिलने पर उस दुकान संचालक से 500 रूपए फाइन लगाया जाएगा। आयुक्त ने बैठक में निर्देश दिए है कि मॉनिटरिंग जन स्वास्थ्य विभाग के सभी सुपरवाइजर करेंगे। बैठक में कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे, एम.पी. देवांगन. सहायक अभियंता आर.के.जैन, उपअभियंता अखिलेश गुप्ता, नितिश अमन साहू, जनस्वास्थ्य विभाग के प्रभारी बृजेन्द्र परिहार, पीआईयू आकाश मिश्रा, विजय कश्यप आदि उपस्थित थे। आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए है कि स्वच्छता पहले पायदान पर होना चाहिए। पहली बार में डस्टबीन एवं पीकदान रखने की सलाह दे। पीकदान, बाल्टी या बड़ा गमला में रेत भरकर रखा जा सकता है। गंदगी मिलने पर पहली बार 500 और दूसरी बार में 1000 वसूल किया जाए।

डी-कार्बोनाइजेशन की वर्तमान स्थिति तथा कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने के उपायों पर चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की इस्पात नगरी भिलाई में, आयरन एंड स्टील रिव्यूव मैग्ज़ीन-कोलकाता द्वारा, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेटल्स (आईआईएम) भिलाई चैप्टर, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) भिलाई लोकल सेंटर एवं सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय भारतीय इस्पात सम्मेलन (इंडियन स्टील कॉन्फ्रेंस) आयोजित हो रही है।

इसके लिए आज 29 अगस्त 2024 को महात्मा गाँधी कला मंदिर में, देश के विभिन्न हिस्सों से सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के लौह और इस्पात उत्पादक कंपनी, इस्पात निर्माण से संबंधित अनुसंधान और प्रौद्योगिकी संस्थानों के टेक्नोक्रेट, विशेषज्ञ और प्रतिनिधियों ने 'डीकार्बोनाइजेशन और बुनियादी ढांचे के विकास का महत्व और भूमिका' विषय पर 5 सत्रों में चर्चा की। इसके प्रथम सत्र में उद्घाटन के बाद डी-कार्बोनाइजेशन और बुनियादी ढांचे के विकास के महत्व और भूमिका पर पैनल चर्चा हुई। इस पैनल चर्चा में पूर्व निदेशक (तकनीकी-सेल) एस एस मोहंती, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और ग्रीन स्टील इंडिया के प्रमुख (प्राइमेटल्स टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) बिस्वदीप भट्टाचार्य, एसोसिएट प्रोफेसर (मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी-भिलाई) सौम्य गंगोपाध्याय, एसोसिएट प्रोफेसर (मेटलर्जिकल एवं मटेरियल इंजीनियरिंग विभाग, एनआईटी-रायपुर) डॉ सुभाष गांगुली सहित मॉडरेटर के रूप में सीईओ सुशीम बनर्जी शामिल थे।

पैनल चर्चा में कहा गया कि 2047 के लिए भारत सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप, जब राष्ट्र स्वतंत्रता के सौ वर्ष मना रहा होगा, इस्पात मंत्रालय ने डीकार्बोनाइजेशन के लक्ष्य की ओर बढ़ने और दीर्घकालिक उद्देश्यों को साकार करने के लिए आवश्यक और सम्बंधित टेक्नोलॉजी लाने पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किये हुए है। कौशल विकास क्षेत्र को मजबूत बनाने हेतु स्टील सेक्टर स्किल काउंसिल भी इसी प्रयास का हिस्सा है, ताकि हम निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करके अपने दीर्घकालिक लक्ष्यों और कंपनी के उद्देश्य को प्राप्त कर सकें। साथ ही नेट जीरो कार्बन के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु अन्य देशो की तुलना में भारत में डी-कार्बोनाइजेशन की वर्तमान स्थिति, कार्बन के उत्सर्जन को कम करने फॉसील से नॉन-फॉसील फ्यूल का उपयोग, रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग, वेस्ट हीट रकव्हरी, स्क्रैप, स्टील मेकिंग प्रोसेस, कार्बन कैप्चर, ब्लास्ट फर्नेस आदि पर भी चर्चा की गई। पैनलिस्टों ने इसके लिए वित्त के लिए सपोर्ट सिस्टम, मार्केट, इससे सम्बंधित चुनौतियाँ, एक्सिस्टिंग टेक्नोलॉजी के साथ कार्बन फूटप्रिंट को कम करना, ग्रीन प्रैक्टिस, समाधान आदि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी पर इंटर्नशिप और ग्रेजुएट विद्यार्थी अगर किसी स्टील इंडस्ट्री के साथ उपयोगी टेक्निक, डी-कार्बोनाइजेशन, ग्रीन स्टील, ग्रीन एनर्जी, सस्टेनेबल एनर्जी आदि उपायों या प्रयासों के साथ अल्टरनेट एक्सपेरिमेंट को वर्चुअल से ग्राउंड लेवल एक्सपेरिएंस में बदलते हैं तो स्टील इंडस्ट्रीज़ पर इसका बहुत बड़ा प्रभाव देखने को मिलेगा।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत संभाग आयुक्त एवं कलेक्टर ने किया वृक्षारोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत गुरुवार को संभाग आयुक्त सत्य प्रकाश राठौर व कलेक्टर ने ग्राम पंचायत अंजोरा (ख) जनपद पंचायत दुर्ग अंतर्गत कामधेनु विश्वविद्यालय में मैं एक पेड़ मां के नाम अभियान का वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। संभाग आयुक्त ने सभी को मां के नाम एक पौधा लगाने की अपील इस मौके पर की।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की आबादी के अनुसार हर व्यक्ति 'वृक्षारोपण महाभियान' का हिस्सा बने और एक पौधा अवश्य लगाये।

ग्राम पंचायत अंजोरा अंतर्गत कामधेनु विश्वविद्यालय में लगभग 3 हजार पौधे भी लगाए जायेंगे। इनमें पर्यावरण के लिए उपयोगी हर प्रकार के पौधे पीपल, पाकड़, नीम, देशी आम, जामुन, अमरूद, शीशम, आदि शामिल रहेगा।

कलेक्टर रिचा प्रकाश चौधरी ने कहा कि अलग-अलग वैरायटी के पौधे पूरे परिसर में लगाए जाएंगे। साथ-साथ वृक्षारोपण महाभियान का हिस्सा बनकर पर्यावरण की चुनौती का सामना करने के लिए आगे आएंगे। इस विश्वास के साथ 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम कामधेनु विश्वविद्यालय में किया गया है। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से सत्यप्रकाश राठौर, संभाग आयुक्त दुर्ग, सुश्री ऋचा चौधरी कलेक्टर जिला दुर्ग, ए.के. एक्का, अपर कलेक्टर दुर्ग, अश्विनी देवांगन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग, ग्राम के सरपंच संगीता साहू,

एम भार्गव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत दुर्ग, हरवंश मिरी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दुर्ग, जनपद पंचायत दुर्ग प्रोग्राम अधिकारी गौरव मिश्रा, वर्षा साहू, आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश के नागरिकों का मतदाता सूची में नाम पंजीयन, विलोपन, स्थानातंरण एवं प्रविष्टि में किसी भी प्रकार के आवश्यक संशोधन हेतु फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का वार्षिक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम अर्हता तिथि 01 जनवरी 2025 जारी कर दिया गया है।

आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 29 अक्टूबर, 2024 (मंगलवार) को प्रदेश के सभी मतदान केन्द्रों में मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जावेगा और इसी के साथ दावा/आपत्ति प्राप्त करने की कार्यवाही प्रारंभ हो जावेगी। सभी नागरिक 28 नवम्बर, 2024 (गुरुवार) तक दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। इस दौरान 9 नवम्बर 2024 (शनिवार), 10 नवम्बर 2024 (रविवार) एवं 16 नवम्बर 2024 (शनिवार), 17 नवम्बर 2024 (रविवार) को समस्त मतदान केन्द्रों में विशेष शिविर का भी आयोजन किया जावेगा।

इस अवधि में प्राप्त सभी दावा-आपत्तियों का निराकरण पूर्ण कर 6 जनवरी, 2025 (सोमवार) को निर्वाचक नामावली का अन्तिम प्रकाशन किया जायेगा। आयोग के निर्देशानुसार प्रारंभिक प्रकाशन 29 अक्टूबर, 2024 (मंगलवार) एवं अंतिम प्रकाशन 06 जनवरी, 2025 (सोमवार) को सभी मतदान केन्द्रों की मतदाता सूची का प्रकाशन कार्यालय के वेबसाईट पर भी किया जावेगा।

एक सितम्बर को आयोजित होगी सीडीएस की परीक्षा

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली द्वारा आयोजित कम्बाईन्ड डिफेंस सर्विस (सीडीएस) आगामी एक सितम्बर आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा 3 पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली प्रात: 9 बजे से 11 बजे, द्वितीय पाली दोपहर 12 बजे से 2 बजे एवं तृतीय पाली दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक आयोजित होगी। नेशनल डिफेंस एकेडमी एण्ड नेवल एकेडमी परीक्षा (एनडीए) 2024 एक सितम्बर को प्रात 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक एवं दोपहर 2 बजे से 4.30 बजे तक संचालित की जाएगी। इस परीक्षा के नोडल अधिकारी श्री केदार पटेल रोजगार अधिकारी, सहायक नोडल अधिकारी श्री भगवान सिंह यादव एवं श्री चन्द्रमणी वर्मा लाइब्रेरी सहायक को बनाया गया है।

एक फोन पर हो रहा समस्या का समाधान, आवेदन पत्र पर हुआ हस्ताक्षर, सीएम का जताया आभार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में एक फोन कॉल पर समस्या का समाधान हो रहा है। जिले के सेमरा निवासी कन्हैया लाल निषाद ने अपने बच्चे के आवेदन पत्र पर प्रधान पाठक द्वारा हस्ताक्षर नहीं किए जाने की शिकायत की थी। उनका कहना है कि उनके बच्चे ने नवोदय विद्यालय में एडमिशन के लिए आवेदन दिया था। जिसमें प्रधान पाठक का हस्ताक्षर चाहिए था। लेकिन प्रधान पाठक का हस्ताक्षर नहीं हो पा रहा था। जिससे बच्चे के एडमिशन में परेशानी आ रही थी। उन्होंने कलेक्टोरेट के जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर में फोन किया और जहां से उनकी समस्याओं का निराकरण करने के लिए संबंधित विभाग को जानकारी दी गयी। जिसके बाद प्रधान पाठक का हस्ताक्षर आवेदन पर हो गया। समस्या का निदान होने पर निषाद काफी खुश है और उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति भी आभार जताया।

छत्तीसगढ़ के तीन शहर भी शामिल, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केन्द्रीय मंत्रीमंडल का जताया आभार

234 नए शहरों व कस्बों में शुरू होगी निजी एफएम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 234 नए शहरों व कस्बों में निजी एफएम रेडियो शुरू करने को मंजूरी दी है। इन नए क्षेत्रों में कई आकांक्षी, वामपंथी उग्रवाद प्रभावित और सीमावर्ती क्षेत्र भी शामिल हैं। खास बात यह है कि केन्द्रीय मंत्रीमंडल ने छत्तीसगढ़ के तीन शहरों को भी इसमें शामिल किया है। इन शहरों में कोरबा, अंबिकापुर व जगदलपुर शामिल हैं। केन्द्रीय मंत्रीमंडल के इस फैसले पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आभार जताया है। उन्होंने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने निजी एफएम रेडियो चरण-3 नीति के अंतर्गत 234 नए शहरों में 730 चैनलों के लिए 784.87 करोड़ रुपये के अनुमानित आरक्षित मूल्य के साथ तीसरे बैच की आरोही (बढ़ती हुई बोली) ई-नीलामी करवाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को छोड़कर एफएम चैनल के वार्षिक लाइसेंस शुल्क (एएलएफ) के रूप में सकल राजस्व का 4 प्रतिशत लेने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। ये 234 नए शहरों व कस्बों के लिए लागू होगा। केन्द्र के इस कदम से मातृभाषा में स्थानीय कंटेंट को बढ़ावा मिलने और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की संभावना है

वोकल फॉर लोकल को मिलेगा बढ़ावा

234 नए शहरों व कस्बों में निजी एफएम रेडियो की शुरुआत से उन शहरों व कस्बों में एफएम रेडियो की अधूरी मांग पूरी होगी, जो अभी भी निजी एफएम रेडियो प्रसारण से अछूते हैं और मातृभाषा में नए व स्थानीय कंटेंट पेश करेंगे। इससे नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे, स्थानीय बोली और संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा तथा 'वोकल फॉर लोकल पहल को बढ़ावा मिलेगा। अनुमोदित किए गए ऐसे कई शहर व कस्बे आकांक्षी जिलों और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में हैं। इन क्षेत्रों में निजी एफएम रेडियो की स्थापना से इन क्षेत्रों में सरकारी पहुंच और सुदृढ़ होगी।

सीएम साय ने कहा- बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा है कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 234 नए शहरों कस्बों में निजी एफएम रेडियो शुरू करने को मंजूरी दी है, जिससे छत्तीसगढ़ के 3 शहर अंबिकापुर, जगदलपुर और कोरबा को भी इसका लाभ मिलेगा। यह पहल मातृभाषा में स्थानीय कंटेंट को प्रोत्साहित करेगी और साथ ही रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध कराएगी। 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को और अधिक सशक्त बनाने के लिए यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस पहल के लिए प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार!

आयुक्त ने फास्ट 4 व्हीलर ईव्ही चार्जिंग स्टेशन स्थापना कार्य का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की लोकहितैषी मंशानुसार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं उपमुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरूण साव के मार्गदर्शन में राजधानी रायपुर में जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर में शहर में विभिन्न 5 स्थानों पर नगर पालिक निगम रायपुर एवं इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा सहभागिता से प्रथम चरण में फास्ट 4 व्हीलर ईव्ही चार्जिंग स्टेशन विद्युत मंत्रालय द्वारा 14 जनवरी 2022 को जारी गाईड लाईन के अनुसार शीघ्र लगाये जाने का कार्य प्रगति पर है।

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने आउटडोर स्टेडियम में प्रगतिरत फास्ट 4 व्हीलर ईव्ही चार्जिंग स्टेशन की स्थापना की प्रगति का वहां पहुंचकर प्रत्यक्ष निरीक्षण निगम के प्रभारी अधीक्षण अभियंता इमरान खान, जोन 4 जोन कमिश्नर अरूण ध्रुव, इंडियन आयॅल कार्पोरेशन लिमिटेड का मार्ग पूरी तरह प्रशस्त हो गया है। रायपुर जिला कलेक्टर की उपस्थिति में नगर निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा एवं इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड के सौरभ प्रियदर्शन की उपस्थिति में किया। राजधानी शहर के नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम परिसर, गॉधी उद्यान, पुराना स्मार्ट सिटी लिमिटेड कार्यालय परिसर, आउटडोर स्टेडियम परिसर, अनुपम गार्डन (महावीर पार्क), सेन्ट्रल लाईब्रेरी के सामने और जवाहर बाजार पार्किंग में फास्ट 4 व्हीलर ईव्ही चार्जिंग स्टेषन शीघ्र लगाने का कार्य प्रगति पर है।

अधिकारियों ने जानकारी दी कि चार्जिंग स्टेशन की स्थापना के लिए भूमि रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा उपलब्ध करवायी जायेगी तथा चार्जिंग स्टेशन की स्थापना पर होने वाला समस्त व्यय (आपरेशन मेंटेनेंस सहित) इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा वहन किया जायेगा। इसके साथ ही इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा चार्जिंग से प्राप्त आय का 10 प्रतिशत रायपुर नगर पालिक निगम के साथ शेयर किया जायेगा। आयुक्त ने अधिकारियों को आउटडोर स्टेडियम परिसर सहित भिन्न 5 स्थानों पर इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड की सहभागिता से शीघ्र जनसुविधा हेतु फास्ट 4 व्हीलर ईव्ही चार्जिंग स्टेषन की स्थापना का कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिये है।

भाठागांव मैदान में शीघ्र बैडमिंटन कोर्ट विकसित करेगा निगम

नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक-6 के रावणभाठा मैदान के समीप भाठागांव मैदान में बैडमिंटन कोर्ट विकसित करने का कार्य प्रगति पर है। वहां पहुंचकर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने अधिकारियों को शीघ्र बैडमिंटन कोर्ट विकसित करने का कार्य पूर्ण करवाने के निर्देश दिये।

बैडमिंटन कोर्ट के लिए भवन का निर्माण लगभग पूर्णता की ओर है। बैडमिंटन कोर्ट विकसित होने से खिलाड़ियों को खेल एवं उसके अभ्यास की अच्छी सुविधा शीघ्र प्राप्त हो सकेगी। इस हेतु मैदान को समतलीकरण कर पेवर लगाने का कार्य शीघ्र उसे सुन्दर तरीके से विकसित करने के निर्देश दिये गये है। आयुक्त ने भाठागांव मैदान के सामने मार्ग के किनारे चिन्हित स्थल का निरीक्षण किया। उक्त चिन्हित स्थल पर नगर निगम जोन 6 के माध्यम से शीघ्र लैण्ड स्केपिंग करके उसे सुन्दर स्वरूप देकर रामायण कालीन सभ्यता की कलाकृतियों को उकेरा जायेगा। इससे आमजनों को रामायण कालीन गौरवशाली सभ्यता की सहज जानकारी प्राप्त हो सकेगी। साथ ही वहां पूर्व में बार-बार होने वाले अवैध कब्जों पर भी कारगर अंकुश लगाया जा सकेगा। आयुक्त ने उक्त कार्य को प्राथमिकता से करवाने के निर्देश दिये है।

शिक्षिका-शिक्षक के अवैध संबंध, महिला आयोग ने की निलंबन की सिफारिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक की अध्यक्षता में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों पर 272वीं सुनवाई हुई। इस सुनवाई के दौरान कई गंभीर मामलों का खुलासा हुआ, जिसमें शासकीय शिक्षकों के अवैध संबंधों और कार्यस्थल पर अश्लील संदेश भेजने के मामले शामिल हैं।

एक प्रकरण में आवेदिका ने शिकायत की थी कि अनावेदक ने उसे अश्लील संदेश भेजे और कार्यस्थल पर छेड़छाड़ की। आवेदिका के मोबाइल पर अनावेदक के नंबर से आए संदेशों का दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत किया गया, जिसमें SEX लिखा था। इस मामले में, आयोग ने निर्णय लिया है कि प्रकरण में अन्य संबंधित व्यक्तियों को भी पक्षकार बनाया जाएगा और मामले का निष्पक्ष समाधान किया जाएगा।

एक अन्य प्रकरण में, शासकीय विद्यालय में कार्यरत एक शिक्षक ने स्वीकार किया कि वह अपनी पत्नी और बच्चों से तीन साल से अलग रह रहा है और उसका उसी विद्यालय में कार्यरत एक महिला के साथ अवैध संबंध है। इस मामले में, आयोग ने शासकीय सेवा में रहते हुए अवैध संबंध रखने को कानूनी अपराध मानते हुए जिला शिक्षा अधिकारी को दोनों शिक्षकों के निलंबन के लिए पत्र भेजने का निर्णय लिया है। साथ ही, महिला को सुधरने का मौका देते हुए उसे 2 महीने के लिए नारी निकेतन भेजने का आदेश भी दिया गया। एक और प्रकरण में, अनावेदक ने पिछले आदेश की अवहेलना करते हुए संपत्ति आवेदिका के बेटे के नाम करने से इंकार कर दिया। इस पर आयोग ने आवेदिका को न्यायालय में केस दर्ज कराने का निर्देश दिया।

एसडीएम व उप पंजीयक को तलब किया जाएगा

महिला आयोग ने गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही के एस.डी.एम. और उप पंजीयक को भी पुलिस अधीक्षक के माध्यम से तलब करने का निर्णय लिया है, ताकि प्रकरणों की गहन जांच की जा सके और न्याय सुनिश्चित किया जा सके। इन मामलों ने छत्तीसगढ़ में महिला सुरक्षा और सरकारी कर्मियों की नैतिकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आयोग की सख्त कार्रवाई से यह स्पष्ट है कि महिला उत्पीड़न के मामलों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भरण-पोषण व विवाह संबंधी मामलों में आयोग की सख्त कार्रवाई

सुनवाई में एक अन्य प्रकरण में, अनावेदक ने आवेदिका को भरण-पोषण देने से इंकार किया था, लेकिन विवाह का सामान लौटाने के लिए सहमत हुआ। आयोग ने निर्देश दिया कि काउंसलर की उपस्थिति में आवेदिका को उसका सामान दिलवाया जाएगा, और विरोध होने की स्थिति में एफआईआर दर्ज कराई जा सकती है।

नगर निगम के राजस्व विभाग की टीम ने बकायेदारों पर की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आयुक्त एवं अपर आयुक्त के आदेशानुसार जोन आयुक्त के दिशानिर्देश पर जोन क्रमांक 3 की राजस्व टीम के द्वारा जोन 3 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 10,11, 34 और 48 पर राजस्व वसूली हेतु कड़ी कार्रवाई करते हुए सीलबंदी की कार्यवाही की गई जो निम्न अनुसार है।

वॉर्ड क्रमांक 10 के अंतर्गत विजय पांडे अमन नगर नगर मोवा में 9,66,849 रुपये, सुमित्रा शर्मा 333903 रुपये, कुमुद कुर्रे 269553 रुपये, वार्ड क्रमांक 11 के अंतर्गत मनमोहन राजीव नगर क्षेत्र में 72,163 रुपये, ऋषि राज रंगलानी 1,82,801 रुपये, दिलीप हरि रम्मानी 17322 एवं श्याम गोविंद दांडेकर को डिमांड बिल तामिल करते ही 73578 रुपए का भुगतान किया गया। उसी क्रम में वार्ड क्रमांक 34 के अंतर्गत नाजिया बानो की बकाया राशि 1,45,764 रुपये आरती बनर्जी की 1,27,589 रुपए रीना वर्मा 2,49,762 एवं मंगला श्रीवास्तव 2,49,762 के ऊपर सील बंद की कार्रवाई की गई। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 48 के अंतर्गत हरीश बी रंगलानी का 4,12,602 रुपए बकाया राशि नहीं पटाने पर सील बंद की कार्यवाही की गई है।

गांवों में शिविर के माध्यम से समस्या का त्वरित निराकरणः टंकराम

सांकरा गांव में जनसमस्या निवारण शिविर हुई आयोजित, 154 आवेदनों का त्वरित निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तिल्दा ब्लॉक के सांकरा गांव में आज जनसमस्या निवारण शिविर में राजस्व एवं खेलकूद मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशा अनुरूप सरकार की पहुंच गांव-गांव तक होने लगी है और लोगों की समस्या का निराकरण कर राहत पहुंचाई जा रही है। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि शिविर में पहुंचने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्याओं को दर्ज कर गंभीरता के साथ त्वरित निराकृत किया जा रहा है, जो समस्या त्वरित निराकृत नहीं हुए हैं, उसे जल्द ही समय-सीमा के भीतर निराकृत किया जाएगा।

श्री वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन में गांवों का विकास कर रही हैं। मोदी गारंटी को बहुत ही कम समय में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूरा किया है। श्री वर्मा ने नामांकन, बंटाकन के कार्य को जल्द से जल्द निदान करने के निर्देश दिए गए है। बिना कोई विवाद वाले प्रकरण को तीन माह की अवधि में निराकृत किया जाए। उन्होंने कहा कि तिल्दा में मल्टीपरपस हॉल बनकर तैयार हो रहा हैं। जहां आसपास के ग्रामीण बच्चों की प्रतिभा उभरकर आएगी और बच्चे गांव एवं जिले का नाम रौशन करेंगे। श्री वर्मा ने अवैध प्लाटिंग, अतिक्रमण के प्रकरणों पर जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नल जल योजना के तहत हितग्राहियों के घर में पेयजल पहुंचाया जाएं। साथ ही जर्जर स्कूलों की मरम्मत का कार्य पूर्ण किया जाएं। जिला पंचायत अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा ने कहा कि दूर-दराज से आए लोगों की समस्या का निराकरण शिविर के माध्यम से किया जा रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन की सरहाना की।

इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री साय की मंशा अनुरूप गांव में शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। जिन प्रकरणों का निराकरण नहीं हुआ है, उसे समय-सीमा के भीतर किया जाएगा। आम लोगों की समस्या का निराकरण करने के लिए कलेक्ट्रेट में अब सप्ताह में पांच दिन जनदर्शन के माध्यम से समस्याओं को सुनी जाती है और एक माह पूर्व कॉल सेंटर की स्थापना की गई है। जहां जिले के कोई भी नागरिक अपनी समस्या 24 घंटे कॉल कर अपनी समस्या दर्ज करा सकते है। उनकी समस्याओं का निराकरण करने के लिए संबंधित विभाग को निर्देशित किया जाता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप जनता की समस्या को सुगमता के साथ निराकरण करने के लिए जिला प्रशासन दृढ़संकल्पित है।

जन समस्या निवारण शिविर में 154 आवेदनों का निराकरण किया गया। शिविर में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा, कलेक्टर गौरव सिंह, एसएसपी संतोष सिंह व जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप ने भूमिया गांव के छन्नूलाल यदु, धनीराम साहू, आकाश अग्रवाल, डोमार यदु, कार्तिक राम ध्रुव को राज्य डेयरी उद्यमिता योजना के तहत चेक का वितरण किया गया। इससे हितग्राहियों को अपने व्यवसाय को शुरू करने में मदद मिलेगी। सांकरा निवासी संजना वर्मा, भूमिया गांव के निवासी जितेंद्र यदु, सांकरा गांव के विक्की वानखेडे को ट्राइसाकिल का वितरण किया गया। इससे उनके आवाजाही सुगम होगी। इस अवसर पर एसडीएम आशुतोष देवांगन, जनपद सीईओ विवेक गोस्वामी समेत अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

सीरत कपूर ने ऑफ-शोल्डर मिनी ब्लैक ड्रेस में सोशल मीडिया पर मचाया धमाल

ग्लैमरस अभिनेत्री सीरत कपूर जो अपने बेहतरीन फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं, ने एक बार फिर इंस्टाग्राम पर तापमान बढ़ा दिया है। अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर अभिनेत्री ने एक ब्लैक मिनी ड्रेस में अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं, जिसने उनके फैंस को दीवाना बना दिया है।

स्टाइलिंग के साथ दिखाई चेकमेट लेडी की अदा

इस लेटेस्ट लुक ने उनके फैशनिस्ता के दर्जे को और भी मजबूत कर दिया है, और उनकी इंस्टाग्राम फीड उनके स्टाइल कौशल का प्रमाण है। सीरत को निस्संदेह लोगों का ध्यान आकर्षित करना बखूबी आता है और उनका यह नया लुक भी इसका प्रूफ है—यह निश्चित रूप से आपके दिल को चुरा लेगा।

अपने लेटेस्ट पोस्ट में, अभिनेत्री ने मिश्र इंडिया का एक शानदार आउटफिट पहना है जो उनके शरीर को पूरी तरह से कॉम्प्लिमेंट करता है। इस ड्रेस में एक-शोल्डर रफल डिजाइन है और दूसरी ओर एक ऑफ स्लीव है, जो इस आउटफिट को ओवरआल एक शानदार रूप देता है।

बॉडीकॉन फिट उनके कर्व्स को निखारता है, जबकि मिनी हेमलाइन उनके लंबे पैरों को हाइलाइट करती है, जिससे यह आउटफिट किसी भी मौके के लिए एक परफेक्ट स्टेटमेंट लुक दे सकता है। एक्सेसरीज़ की बात करें तो उन्होंने इस आउटफिट के साथ लंबे सिल्वर स्टेटमेंट स्टोन इयररिंग्स और एक बड़ा डायमंड फूल के आकार की अंगूठी पहनी है। अपने लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने सिल्वर-स्टैंड की बटरफ्लाई से सजी हाई हील्स पहनी, जिसने उनके पूरे लुक को एक ग्लैम टच दिया।

मेकअप की बात करें तो सीरत कपूर ने बोल्ड अप्रोच चुनी। उन्होंने अपनी आँखों को स्मज्ड आईलाइनर, मस्कारा और डिफाइन्ड ब्रो से उभारा, जिससे उनकी निगाहें बेहद आकर्षक लग रही थीं। ब्लश्ड चीक्स और ग्लोइंग हाइलाइटर ने उनके चेहरे को एक अलग चमक दी।

उन्होंने लुक को ग्लॉसी लिपस्टिक के शेड से पूरा किया, जो उनके ओवरऑल वाइब को कॉम्प्लिमेंट करता था। उनकी व्हाइट नेल्स ने ऑल-ब्लैक आउटफिट को एक परफेक्ट कॉन्ट्रास्ट लुक दिया। अभिनेत्री ने अपने लंबे कर्ल को साइड पार्टिशन में खुला छोड़ा, जिससे वे खूबसूरती से उनके कंधे पर लहराते दिखे।

यह हेयरस्टाइल उनके ग्लैम लुक के साथ पूरी तरह मेल खाता है। ऑल-व्हाइट बैकड्रॉप के सामने पोज करते हुए सीरत कपूर ने उन चेकमेट वाइब्स को बखूबी दर्शाया, जिसमें उन्होंने हर शॉट में आत्मविश्वास से चारों ओर छा गईं। एक ही लुक में बोल्डनेस और एलिगेंस का बैलेंस बनाना सच में प्रेरणादायक है।

सीरत कपूर एक सच्ची फैशन आइकन हैं और उनका यह लेटेस्ट लुक स्टाइल में एक मास्टरक्लास देता है उन सभी लड़कियों को जो ऐसे ओउत्फिट्स कभी डेट, बर्थडे या किसी भी खास मौके के लिए यह आउटफिट प्लान कर रही हों, अभिनेत्री सीरत कपूर का यह नया पहनावा परफेक्ट इंस्पिरेशन का स्रोत है। यह बहुत सच है की ब्लैक ड्रेस कभी गलत नहीं हो सकती, खासकर तब जब इसे सीरत कपूर जैसी अभिनेत्री हमे इंस्पिरेशन दे।

द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल की तैयारी के लिए अर्शिन मेहता ने की कड़ी मेहनत

फिल्म द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल में मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री अर्शिन मेहता ने सुहासिनी भट्टाचार्य की भूमिका के लिए की गई तैयारी के बारे में खुलकर बात की। अर्शिन इसमें बांग्लादेश की एक हिंदू ब्राह्मण लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो अपने देश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों को देखने के बाद भारत के पश्चिम बंगाल में शरण लेती है। अपने किरदार को लेकर अभिनेत्री ने कई व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना किया।

बजरंगी भाईजान से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अर्शिन ने इस बारे में बताया, मैं किरदार में रहना चाहती थी, इसलिए मैंने सुहासिनी की भूमिका को अपनाया, जो एक शरणार्थी है, जिसके पास विलासिता की चीजों की पहुंच नहीं है। मैंने कुर्सियों पर बैठने से परहेज किया और जमीन पर बैठना पसंद किया, किसी से ज्यादा बात न करके अपने किरदार की मानसिकता में रहना पसंद किया। सुहासिनी ने इतने सारे अनुभव किए थे कि वह हमेशा अपने दायरे में रहती थी, और मैंने भी उसी दायरे में रहने की कोशिश की।

उन्होंने कहा, मैंने हमेशा अपने दायरे में रहना सुनिश्चित किया। मैं लगातार संगीत सुनती, किसी से बात करने से बचती और शूटिंग खत्म होने के बाद भी चुपचाप घर चली जाती और किरदार की मानसिकता में रहती। सुहासिनी के किरदार को ईमानदारी और प्रामाणिकता के साथ निभाने के लिए मेरे लिए उस दायरे में रहना महत्वपूर्ण था, ताकि लोग उससे सही मायने में जुड़ सकें। अर्शिन की भूमिका उनकी आवाज को बुलंद करती है क्योंकि वह मानवाधिकार परिषद, भारत सरकार और विभिन्न मंत्रालयों को इस तथ्य के प्रति सचेत करने का प्रयास करती है कि भारत में हिंदू भी सुरक्षित नहीं हैं।

उन्होंने कहा, वहां पहुंचने पर उन्हें यह जानकर झटका लगा कि बंगाल में हिंदुओं की स्थिति बांग्लादेश जितनी ही खराब है। यह अहसास उनके लिए बहुत बड़ा है, खासकर तब जब उन्हें हिंदू बहुल देश में सुरक्षित रहने की उम्मीद थी।

मैं राजकपूर हो गया फेम अभिनेत्री ने आगे कहा, यह फिल्म सुहासिनी की यात्रा को दर्शाती है, जिसमें वह लव जिहाद का शिकार बनने के साथ कई बाधाओं से जूझती है। एक मुस्लिम व्यक्ति उसे शरण देता है, लेकिन यह नहीं बताता कि उसने उसकी जान बख्श दी है, जबकि उसके दोस्तों ने अन्य शरणार्थियों को मार डाला है। सुहासिनी की जीवन यात्रा और न्याय के लिए उसकी लड़ाई फिल्म के केंद्र में है। अर्शिन ने खुलासा किया कि सुहासिनी ने जिस तरह का गहरा आघात सहा, उसके कारण उसका किरदार बेहद गंभीर था।

अभिनेत्री ने आगे कहा, उसने अपने परिवार को मरते हुए देखा, जिससे वह गहरे सदमे में चली गई और सामान्य जीवन जीने में असमर्थ हो गई। पूरी फिल्म में कई गंभीर दृश्य थे और भूमिका के साथ न्याय करने के लिए मैं संगीत सुनती रही, जिससे मुझे किरदार में बने रहने और दृश्यों के लिए आवश्यक भावनाओं को बढ़ाने में मदद मिली। यह फिल्म 30 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

पुष्पा द रूल की काउंटडाउन शुरू, सामने आया अल्लू अर्जुन का धांसू लुक पोस्टर

साउथ सिनेमा की मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 द रूल का इंतजार सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के फैंस को बेसब्री से हो रहा है। फिल्म पुष्पा 2 द रूल पहले बीती 15 अगस्त को रिलीज होनी थी, लेकिन फिल्म की शूटिंग पूरी ना होने की वजह से फिल्म अब दिसंबर में रिलीज होगी। पुष्पा 2 द रूल के मेकर्स ने अल्लू अर्जुन के फैंस के लिए एक खास मैसेज छोड़ा है। पुष्पा 2 द रूल के मेकर्स मूवी मैत्री मेकर्स ने फिल्म से अल्लू अर्जुन का एक धांसू पोस्टर रिलीज किया है। साथ ही बताया है कि अब पुष्पा 2 द रूल की रिलीज में 100 दिन बचे हैं।

मैत्री मूवी मेकर्स ने ऑफिशियल फिल्म पुष्पा 2 द रूल से अल्लू अर्जुन का पोस्टर शेयर किया है। मेकर्स ने लिखा है, पुष्पा 2 द रूल की रिलीज में अब बस 100 दिन बचे हैं। फिल्म 6 दिसंबर को रिलीज होने जा रही है। बता दें, 6 दिसंबर को विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म छावा भी रिलीज होने जा रही है, जिसका हाल ही में टीजर रिलीज हुआ था और टीजर देखने के बाद फिल्म का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।

पुष्पा 2 द रूल में रश्मिका मंदाना एक्टर अल्लू अर्जुन और छावा में विक्की कौशल के अपोजिट नजर आएंगी। ऐसे में एक ही दिन रश्मिका मंदाना दो अलग-अलग फिल्मों में अपने जलवा दिखाने आ रही हैं। पुष्पा 2 द रूल के मेकर्स ने जो पोस्टर शेयर किया है, उसकी बात करें तो इसमें में अल्लू अर्जुन का पुष्पराज स्टाइल में स्वैग दिख रहा है। अल्लू अर्जुन के बड़े-बड़े और अंगुलियों में अंगूठी ही अंगूठी दिख रही हैं।

बता दें, पुष्पा 2 द रूल को सुकुमार ने डायरेक्ट किया है और वह अभी भी फिल्म पर काम कर रहे हैं। पुष्पा 2 द रूल में कुछ अहम सीन हाल ही में शूट हुए हैं।

सलमान खान और अग्नि का गाना यू आर माइन का टीजर रिलीज

भांजे संग वाइब मैच करते दिखे भाईजान

बॉलीवुड के भाईजान यानि सलमान खान अपनी फिल्मों को लेकर तो सुर्खियों में बने ही रहते हैं। साथ ही उनको पेंटिंग और सिंगिंग का भी काफी शौक है। सलमान खान के गाने की झलक तो आप पहले ही देख चुके हैं, कुछ वक्त पहले सलमान ने अपने हाथ की कलाकारी की झलक भी पेंटिंग में दिखाई थी। अब सलमान खान और उनके भांजे अग्नि के एक गाने 'यू आर माइन' का टीजर वीडियो जारी किया गया है। यह गाना इसलिए भी खास है, क्योंकि गाने में सलमान खान पहली बार अपने भांजे अग्नि अग्निहोत्री के साथ नजर आने वाले हैं।

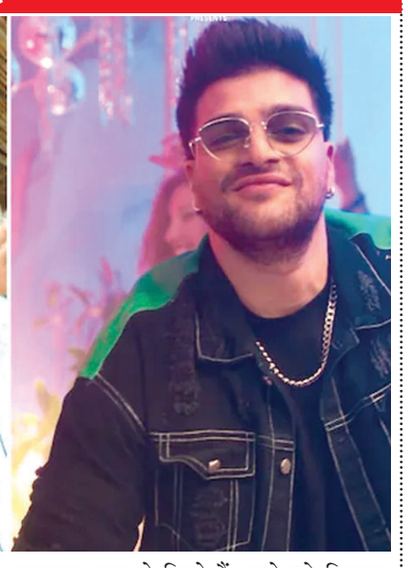

सलमान खान ने हाल ही में 'यू आर माइन' का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें भाईजान को उनके भांजे अग्नि के साथ मस्ती करते हुए दिखाया गया है। क्लिप में देखा जा सकता है कि सलमान खान पेंटिंग में बिजी हैं, तभी अग्नि उनके पास आते हैं और मस्ती में उनके आर्टवर्क के बारे में सवाल पूछते हैं। वीडियो देखने से पता चलता है कि सलमान और अग्नि की जोड़ी एक रोमांचक प्रोजेक्ट लेकर आ रही है, जिसे लेकर फैंस काफी उत्साहित नजर आ हैं। सलमान ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर इसका वीडियो भी पोस्ट किया है।

सलमान खान का यह वीडियो एक मस्ती भरी बातचीत पर आधारित है, जिसमें अग्नि की रैपिंग और सलमान के हल्के-फुल्के कॉमेंट्स हैं, जो कि देखने में काफी दिलचस्प है। 'यू आर माइन' गाने में सलमान खान ने अपनी आवाज दी है और अग्नि ने इसमें रैप किया है। इस गाने के बोल संजीव चतुर्वेदी के साथ मिलकर सलमान खान ने लिखे हैं। गाने को विशाल मिश्रा ने कंपोज किया है। बता दें ति अग्नि ने कुछ वक्त पहले अपना एक और गाना और म्यूजिक वीडियो पार्टी फीवर रिलीज किया था। अग्नि ने इस गाने को पायल देव के साथ मिलकर गाया था।

सलमान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान की अगली फिल्म सिकंदर है। सिकंदर अगले साल यानि ईद के मौके पर 2025 में रिलीज की जाएगी। इस फिल्म में सलमान खान रश्मिका मंदाना के साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को साजिद नाडियाडवाला द्वारा प्रोड्यूस किया गया है और एआर मुरुगदास ने डायरेक्ट किया है।

ध्वनि भानुशाली की पहली फिल्म कहां शुरू कहां खतम का मोशन पोस्टर हुआ रिलीज

बॉलीवुड के ऑन-स्क्रीन सनसनी के लिए मंच प्रदान करते हुए भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और कठपुतली क्रिएशन्स ने अपने आगामी युवा फैमिली एंटरटेनर फिल्म कहां शुरू कहां खतम का मोशन पोस्टर रिलीज किया। इस फिल्म के जरिए पॉप स्टार ध्वनि भानुशाली म्यूजिक से सिल्वर स्क्रीन की ओर रुख कर रहीं हैं।

अपने रिकॉर्ड-ब्रेकिंग चार्टबस्टर्स से लोगों का दिल जीतने के बाद, ध्वनि अब फिल्म डेब्यू कर दर्शकों का दिल जीतने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सौरभ दासगुप्ता द्वारा निर्देशित और लुका छुपी और मिमी फेम लक्ष्मण उतेकर और ऋषि विरमानी द्वारा लिखित, यह फिल्म ह्यूमर, हार्ट और अप्रत्याशितता के मोड़ का एक आकर्षक मिश्रण होगा।

छावा के साथ, लक्ष्मण उतेकर की कहानी कहने का जादुई अंदाज फिल्म कहां शुरू कहां खतम में एक बार फिर से नजर आयेगा जो यह सवाल पूछता है, क्या अंत वास्तव में शुरुआत है? मस्ती से भरा यह मोशन पोस्टर फिल्म के लीडिंग जोड़ी को दर्शकों से इंट्रोड्यूस करता है जिसमें ध्वनि भानुशाली दुल्हन के अवतार में और उनके साथ आशिम गुलाटी, जिन्हें आखिरी बार जी करदा और मर्डर मुबारक में देखा गया था।

उनकी वाईब्रेंट केमिस्ट्री और प्लेफुल टेंशन भरपूर लाइफ एक अरेंज एक्सीडेंटल लव स्टोरी में बदलने लगती है। फिल्म में सुप्रिया पिलगांवकर, राकेश बेदी, सोनाली सचदेव, राजेश शर्मा, अखिलेंद्र मिश्रा, चितरंजन त्रिपाठी, विक्रम कोचर, हिमांशु कोहली और विकास वर्मा जैसे दिग्गज भी शामिल हैं।

कहां शुरू कहां खतम लोगों को सरप्राइस और मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार है क्योंकि प्यार हमेशा मोस्ट अन एसपेक्टेड ट्विस्ट के साथ अपना रास्ता खुद खोज लेता है। लक्ष्मण उतेकर की कहां शुरू कहां खतम में ध्वनि भानुशाली और आशिम गुलाटी अहम भूमिका में नजर आयेंगे, सौरभ दासगुप्ता द्वारा निर्देशित यह फिल्म 20 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और कठपुतली क्रिएशन्स प्रोडक्शन की इस यंग म्यूजिकल फैमिली एंटरटेनर फिल्म को विनोद भानुशाली, लक्ष्मण उतेकर, करिश्मा शर्मा और कमलेश भानुशाली द्वारा प्रोड्यूस किया गया है।

सिर में हाथ फेरते वक्त हाथ में आ जाते हैं बाल? रोकने के लिए तुरंत करें ये काम

अपने बालों को खूबसूरत बनाने के लिए लोग काफी कोशिश करते हैं। लेकिन फिर भी बाल झड़ते रहते हैं। बालों का झड़ना एक आम समस्या है, लेकिन अगर बाल लगातार झड़ रहे हैं, तो यह एक बड़ी समस्या हो सकती है। ऐसे में अगर आपके बाल भी लगातार झड़ने लगे हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे, जिसकी मदद से आप झड़ते बालों को कम कर सकते हैं। आइए जानते हैं उन टिप्स के बारे में।

झड़ते बालों को कम करने के उपाय

अगर आप भी बालों में हाथ फेरते हैं और ऐसा करते वक्त आपके हाथ में बाल आ जाते हैं, यानी आपके बाल लगातार झड़ रहे हैं और रुकने का नाम नहीं लेते हैं, तो अब आप इन आसान टिप्स को फॉलो कर सकते हैं। झड़ते बालों को रोकने के लिए सबसे पहले आपको नीम का इस्तेमाल करना होगा।

नीम के ताजे पत्ते का इस्तेमाल

आप नीम के ताजे पत्ते को एक बर्तन में रखकर उसमें थोड़ा पानी डालकर गैस पर उस पानी को उबाल सकते हैं। जब पानी आधा हो जाए, तो फिर इस पानी से अपने बालों को धो सकते हैं। आप इस पानी में शैंपू डालकर हेयर वॉश भी कर सकते हैं। इससे आपके बाल मजबूत बनेंगे और झड़ना कम होगा।

मेथी दाने का इस्तेमाल

मेथी दाना आपके बालों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आप मेथी दाने का इस्तेमाल कर अपने बालों को मजबूत बना सकते हैं। यही नहीं मेथी दाना आपके बालों को शाइनिंग देता है। ऐसे में आप मेथी दाने को रात में पानी में भिगोकर रख दें। दूसरे दिन सुबह इसे पीसकर पेस्ट बना ले। इस पेस्ट को अपने बालों पर लगाएं और आधे घंटे के बाद हेयर वॉश कर लें।

अंडे का इस्तेमाल

अगर आप झड़ते बालों को रोकना चाहते हैं, तो अंडा आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। आप अंडे का इस्तेमाल कर अपने बालों को मजबूत बना सकते हैं। इसके लिए आपको एक अंडे को फैट कर बालों में लगाना होगा। आधे घंटे के बाद आप हेयर वॉश कर सकते हैं। बाल अधिकतर तनाव, नींद की कमी, कमजोरी और स्वस्थ आहार का सेवन नहीं करने की वजह से झड़ने लगते हैं।

आप अपनी डाइट में प्रोटीन, विटामिन, आयरन, खनिज जैसे स्वस्थ आहार को शामिल करें और दिनभर में कम से कम 8 से 10 गिलास पानी जरूर पीएं। यही नहीं भरपूर नींद भी लेना बालों के झड़ने को रोकने के लिए बहुत जरूरी होता है। इससे आपके बाल मजबूत होंगे। इन सभी चीजों का इस्तेमाल कर आप अपने झड़ते बालों को कम कर सकते हैं।

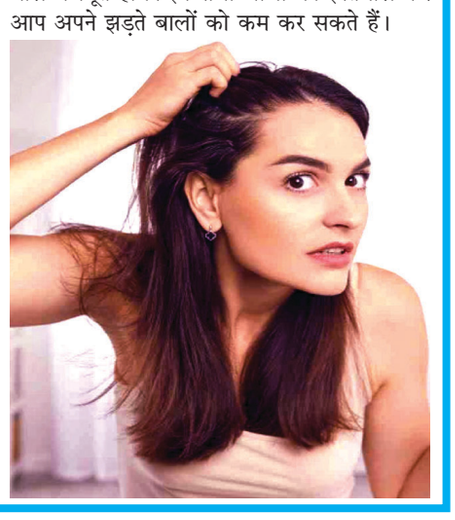

निर्माणाधीन संग्रहालय का सीएम साय ने किया निरीक्षण

ट्रायबल म्युजियम छत्तीसगढ़ के जनजातीय गौरव का प्रमुख केन्द्र होगाः विष्णु देव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नवा रायपुर में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के समीप बन रहे 'शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय' का निरीक्षण किया। छत्तीसगढ़ के आदिवासी वीर स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित इस संग्रहालय का निर्माण 45 करोड़ रूपए की लागत से लगभग 10 एकड़ भूमि पर किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के साथ आदिमजाति विकास मंत्री रामविचार नेताम भी कार्य की प्रगति देखने पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री साय ने संग्रहालय में मूर्तियों, अन्य कलाकृतियों तथा विभिन्न मॉडलों का अवलोकन किया। उन्होंने मूर्तियों का निर्माण कर रहे शिल्पकारों से चर्चा कर उनकी कला के बारे में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि ट्रायबल म्युजियम छत्तीसगढ़ के जनजातीय गौरव का एक प्रमुख केन्द्र बनेगा। छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के देश प्रेम की भावना, उनके शौर्य पराक्रम और बलिदानों पर केन्द्रित यह संग्रहालय छत्तीसगढ़ की गौरवशाली विरासत को सहेजने का अनुपम प्रयास है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों को संग्रहालय के कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि संग्रहालय के माध्यम से हमारी युवा पीढ़ी और आने वाली पीढ़ियों को अपने इतिहास को जानने का मौका मिलेगा। यह संग्रहालय आदिवासी संस्कृति और सभ्यता को जानने मे रूचि रखने वाले लोगों के लिए भी आकर्षण का केन्द्र होगा। यहां छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद वीर नारायण सिंह सहित राज्य के सभी जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को और अधिक करीब से जानने का मौका मिलेगा।

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने बताया कि इस संग्रहालय में 15 गैलरियां निर्मित की जारी हैं, जिसमें छत्तीसगढ़ के महत्वपूर्ण जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम की घटनाओं- हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपाल-पट्टनम विद्रोह, परलकोट विद्रोह, लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मेरिया विद्रोह, मुरिया विद्रोह, रानी-चो-रिस विद्रोह, भूमकाल विद्रोह, सोनाखान विद्रोह, झण्डा सत्याग्रह, जंगल सत्याग्रह आदि को जीवंत मॉडलों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। संग्रहालय में छत्तीसगढ़ राज्य में रहने वाली जनजातियों की जीवनशैली, पहनावें, आभूषण, संगीत, वाद्ययंत्र, आखेट में उपयोग किए जाने वाले हथियारों सहित दैनिक जनजीवन में उपयोग की जाने वाली वस्तुओं को उनके वास्तविक परिवेश में प्रदर्शित किया जाएगा।

शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी राज्य संग्रहालय में शहीद वीर नारायण सिंह की फाइबर प्रतिमा, उनका स्मारक, फांसी स्थल, एक छोटी झील और लैंडस्कैप का निर्माण किया जाएगा। संग्रहालय में वीर आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की मूर्तियां स्थापित की जाएगी।

कृषि अवसंरचना कोष के विस्तार को मिली मंजूरी, मुख्यमंत्री ने पीएम का जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'कृषि अवसंरचना कोष' के विस्तार को मंजूरी दी गई है। इस महत्वपूर्ण फैसले के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हाल ही में केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'कृषि अवसंरचना कोष' के विस्तार को मंजूरी दी है, जिससे कृषि परियोजनाओं को सुदृढ़ करने और कृषि उत्पादकता में वृद्धि को प्रोत्साहित किया जा सकेगा। यह निर्णय किसानों के हित में लिया गया है, जो देश और प्रदेश दोनों में कृषि क्षेत्र के व्यापक विकास में सहायक होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस पहल से न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि कृषि उत्पादन में सुधार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। यह कदम मोदी सरकार की कृषि अवसंरचना के विकास के माध्यम से किसानों की आर्थिक समृद्धि और कृषि की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

32 करोड़ की लागत से कुनकुरी में बनेगा 220 बिस्तर अस्पताल भवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर जशपुर जिले के कुनकुरी में प्रस्तावित 220 बिस्तर की क्षमता वाले अत्याधुनिक अस्पताल के भवन निर्माण के लिए राज्य सरकार ने निविदा जारी कर दिया है। इस अस्पताल के लिए राज्य सरकार ने 32 करोड़ 9 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की है। उल्लेखनीय है राज्य में विष्णुदेव साय सरकार ने अपने बजट में कुनकुरी में 220 बिस्तर की क्षमता वाली अत्याधुनिक अस्पताल निर्माण की घोषणा की थी। इस बजट में अस्ताल भवन निर्माण के लिए आवश्यक राशि की स्वीकृति मुख्यमंत्री श्री साय ने दी है।

आदिवासी बाहुल्य जशपुर जिले के लिए इस अस्पताल को मील का पत्थर माना जा रहा है। सरकार की मंशा आगे चल कर, इसे मेडिकल कालेज के रूप में विकसित करने की है। जानकारी के लिए बता दें कि बीते वर्ष दिसंबर माह में राज्य की बागडोर सम्हालने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

जशपुर सहित पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य सेवा के विस्तार और इसमें गुणात्मक सुधार के लिए लगातार कार्य कर रहें हैं। उन्होनें शपथ ग्रहण करने के तत्काल बाद प्रदेश में एंबुलेंस सेवा में सुधार के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये थे।

इस परिपालन में जरूरतमंद मरीजों या परिजनों से काल प्राप्त होने के आधा घंटे के अंदर मरीज को एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध कराने को कहा गया था। केबिनेट की पहली बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी सरकारी चिकित्सालयों में मरीजों के लिए सस्ती जेनरीक दवाओं को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने का निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिये थे। बीते 8 माह के कार्यकाल के दौरान जशपुर जिले में स्वास्थ्य सेवा के विस्तार के लिए तेजी से काम हो रहा है।

कुनकुरी में 220 बिस्तर के अस्पताल के साथ ही मरीजों की सुविधा के लिए 25 अतिरिक्त एंबुलेंस और 1 शव वाहन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। 7 उप स्वास्थ्य केन्द्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का दर्जा देते हुए, आवश्यक मानव संसाधन को स्वीकृति दी जा चुकी है। जिले में 19 एमबीबीएस चिकित्सक और 7 विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदस्थापना कर, चिकित्सकों की कमी को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अस्पतालों में मशीनों की कमी को दूर करने के लिए 2 करोड़ 32 लाख की स्वीकृति राज्य सरकार ने दी है। इस राशि से कुनकुरी में डायलिसिस केन्द्र शुरू करने के साथ ही जशपुर, मनोरा, लोदाम, बगीचा के अस्पतालो में आवश्यक उपकरणों की खरीदी में किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा जशपुर जिले को स्वास्थ्य सेवा कर क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाना है, ताकि मरीज और उनके स्वजनों को उपचार के लिए भटकना ना पड़े।

किसानों की समृद्धि हमारी सरकार की प्राथमिकताः मंत्री दयाल दास बघेल

रायपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल बघेल ने बुधवार को बेमेतरा जिले के नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम बदनारा में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम शामिल हुए। उन्होंने इस मौके पर ग्राम बदनारा में औषधालय सहित आस-पास के उपार्जन केन्द्रों में फ्ड़ सीमेंटीकरण के लिए 2.36 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

मंत्री श्री बघेल ने भूमिपूजन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार किसानों को प्राथमिकता में रखकर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारण्टी को पूरा करते हुए प्रदेश के किसानों, गरीबों, महिलाओं और युवाओं के हित में बेहतर नीतिगत्

फैसले लेकर प्रदेश को आगे बढ़ाने की दिशा में निरन्तर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार समर्थन मूल्य एवं कृषि उन्नति योजना के तहत किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रूपए की भाव से खरीदने के वादे को पूरा किया है। वहीं प्रदेश के लगभग 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत 1000 रूपए प्रति माह उनके खाते में अंतरित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री बनते ही आवास हीन परिवारों के लिए 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करने का काम किया। मंत्री श्री बघेल ने कहा कि जिन कार्यों का भूमिपूजन हुआ इनमें आयुर्वेदिक औषधालय बदनारा के लिए 16 लाख रूपए और सेवा सहकारी समिति बदनारा में फ्ड़ सीमेंटीकरण के लिए 20 लाख रूपए का भूमिपूजन शामिल हैं। इसी प्रकार मंत्री श्री बघेल ने सेवा सहकारी समिति सम्बलपुर, कुवरा, पुटपुरा, गोढ़ीकला, बुंदेला, बोरतरा, झाल, रनबोड, नेवसा और मजगांव में भी बीस-बीस लाख रूपए के फ्ड़ सीमेंटीकरण कार्य का भूमिपूजन किया।

सुशासन की सरकार में सभी वर्गों को मिल रहा आगे बढ़ने का मौका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ प्रदेश कान्यकुब्ज ब्राम्हण महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय का प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में सरकार द्वारा सभी समाजों को साथ लेकर समग्र विकास के कार्यों के लिए आभार जताया। मुख्यमंत्री श्री साय को छत्तीसगढ़ प्रदेश कान्यकुब्ज ब्राम्हण महासभा के सदस्यों ने शॉल-श्रीफल व प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री से प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि आपके नेतृत्व में राज्य में सुशासन की सरकार है, जिसमें प्रदेश के सभी वर्गों को आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है। शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदेश के सभी वर्गों को मिल रहा है। प्रदेश में नई सरकार के आते ही किसानों, महिलाओं, युवाओं,

आदिवासियों सहित गरीब तथा कमजोर वर्ग के लोगों के हित में अनेक फैसले लिए गए। इस तारतम्य में सरकार बनने के दूसरे ही दिन 18 लाख जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने तत्काल स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया। इसी तरह राज्य में किसानों को दो साल का बकाया धान बोनस दिया गया और महतारी वन्दन योजना के तहत एक हज़ार रुपये की राशि हर माह देकर 70 लाख से अधिक महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कान्यकुब्ज ब्राम्हण महासभा से अंजय शुक्ल, अध्यक्ष अरुण शुक्ल, अरविंद दीक्षित, श्याम शुक्ल,अटल त्रिवेदी, प्रदीप कुमार मिश्र, सुरेश मिश्र सहित अनेक सदस्यगण उपस्थित थे।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बांद्रा टर्मिनस और मडगांव के बीच द्वि-साप्ताहिक नई ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को बोरीवली रेलवे स्टेशन से बांद्रा टर्मिनस-मडगांव द्वि-साप्ताहिक नई ट्रेन की उद्घाटक यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र और वरिष्ठ रेल अधिकारियों सहित अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ कई स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, समारोह के प्रारंभ में अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने संबोधन में कहा कि पश्चिमी उपनगरों से कोंकण तक ट्रेन शुरू करने की लंबे समय से चली आ रही मांग अब पूरी हो गई है। श्री वैष्णव ने जोर देकर कहा कि महाराष्ट्र के लिए वित्त वर्ष 2024-25 में बजट परिव्यय 15,940 करोड़ रुपए है, जो 2014 से पहले की अवधि की तुलना में 13 गुना अधिक है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 10 वर्षों में, भारतीय रेलवे ने महाराष्ट्र में लगभग 1830

किलोमीटर रेलवे ट्रैक बिछाए हैं, जो श्रीलंका के पूरे रेलवे नेटवर्क से भी अधिक है।

रेलमंत्री वैष्णव ने महाराष्ट्र में चल रहे विभिन्न कार्यों के बारे में भी जानकारी दी, जो 81,580 करोड़ रुपये के निवेश से किए जा रहे हैं। मुंबई उपनगर पर बोलते हुए माननीय रेल मंत्री ने बताया कि मुंबई क्षेत्र में 16,240 करोड़ रुपये की लागत से 12 इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं प्रगति पर हैं। (इन परियोजनाओं का सारांश अनुलग्नक 1 में है)। उन्होंने यह भी बताया कि अमृत स्टेशन योजना के तहत महाराष्ट्र में 6411 करोड़ रुपये की लागत से 132 रेलवे स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं। इस वर्ष भारतीय रेल 342 गणपति स्पेशल ट्रेनें भी चला रही है। श्री पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि यह एक महत्वपूर्ण अवसर है क्योंकि उत्तरी मुंबई में रहने वाले कोंकण के लोगों की सदियों पुरानी मांग और सपना सच हो गया है। यह नियमित ट्रेन पश्चिमी उपनगरों से कोंकण क्षेत्र को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि इस ट्रेन को पहले से ही जबरदस्त प्रतिसाद मिल रहा है और उन्होंने लोगों से इस नई ट्रेन की सुविधा का लाभ उठाने का अनुरोध किया।

4 सितंबर से शुरू होगा ट्रेन का परिचालन

ट्रेन संख्या 10115 बांद्रा टर्मिनस-मडगांव एक्सप्रेस का नियमित परिचालन 4 सितंबर, 2024 से शुरू होगा। यह ट्रेन प्रत्येक बुधवार और शुक्रवार को बांद्रा टर्मिनस से 06:50 बजे रवाना होगी और उसी दिन 22:00 बजे मडगांव पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 10116 मडगांव-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस का नियमित परिचालन 03 सितंबर, 2024 से शुरू होगा। यह ट्रेन प्रत्येक मंगलवार और गुरुवार को मडगांव से 07:40 बजे रवाना होगी और उसी दिन 23:40 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वसई रोड, भिवंडी रोड, पनवेल, रोहा, वीर, चिपलून, रत्नागिरी, कणकावली, सिंधुदुर्ग, सावंतवाड़ी रोड, थिविम और करमाली स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, एसी 3 टियर इकॉनमी, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे हैं। ट्रेन संख्या 10115 की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर खुली है और ट्रेन संख्या 10116 की बुकिंग सभी आरक्षण केंद्रों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर 30 अगस्त, 2024 से शुरू होगी।

जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का हुआ शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। जिले में आज राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोचवाय में जिला पंचायत सीईओ रीता यादव ने बच्चों को कृमि रोधी दवा एल्बेन्डाजॉल का सेवन करा कर कार्यक्रम की शुरुआत की।इस दौरान सरपंच निलाम्बर सोम एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी बच्चों को दवा खिलाई।इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों, किशोर किशोरियों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार, एनीमिया की रोकथाम,बौद्धिक विकास तथा शाला में बच्चों की उपस्थिति में भी सुधार करना है।राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम अंतर्गत जिला गरियाबंद में 2 लाख 42 हजार 516 बच्चों को दवा सेवन कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।कार्यक्रम की जिला नोडल अधिकारी डॉ.बी बारा ने बताया कि जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य विभाग,महिला एवं बाल विकास विभाग तथा शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा आपसी समन्वय से कार्य किया जा रहा है। इसके तहत जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों,शासकीय एवं अनुदान प्राप्त शालाओं,निजी स्कूलों,अनुदान प्राप्त निजी स्कूलों, तकनीकी शिक्षा संस्थान, छात्रावास के बच्चों को कृमिनाशक एल्बेन्डाजॉल की नि:शुल्क गोली खिलाई जायेगी।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

हाईकोर्ट का आदेशः नाबालिग गर्भवती बच्चे को देगी जन्म, सरकार उठाए खर्च

32 सप्ताह के गर्भ से पीड़िता, गर्भपात की याचिका खारिज कर सरकार से कहा- सुरक्षित प्रसव कराएं और बच्चे को गोद ले

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता की गर्भपात कराने की याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि भ्रूण हत्या नैतिक और कानूनी रूप से स्वीकार नहीं है। पीड़िता 32 सप्ताह के गभ से है। डॉक्टरों ने अबॉर्शन कराने पर उसकी जान को खतरा बताया है। हाईकोर्ट ने कहा कि पीड़िता व उसके माता-पिता चाहे तो कानूनी प्रावधान के अनुसार बच्चे को गोद लेने की अनुमति दे सकते हैं। साथ ही जस्टिस पार्थ प्रीतम साहू की सिंगल बेंच ने प्रसव का पूरा खर्च राज्य सरकार को वहन करने व उस बच्चे को गोद लेने का आदेश दिया है।

राजनांदगांव निवासी नाबालिग से दुष्कर्म हुआ था। जब वो गर्भवती हुई तो परिजनों को इसकी जानकारी लगी। तब अबॉर्शन कराने के लिए भटकते रहे। लेकिन गर्भपात कानूनी रूप से अपराध होने के कारण उसका अबॉर्शन नहीं हो सका। इसलिए उसके परिजनों ने गर्भपात की अनुमति देने के लिए हाईकोर्ट में याचिका लगाई। इस मामले की सुनवाई जस्टिस पार्थ प्रतीम साहू की सिंगल बेंच में हुई। शुरुआती सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम गठित कर पीड़ित लड़की की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा था। जिसके बाद 9 सदस्यीय टीम ने जांच की, तब पता चला कि नाबालिग 32 सप्ताह से गर्भ से है। जबकि, विशेष परिस्थिति में अधिकतम 24 सप्ताह तक गर्भपात कराया जा सकता है। ऐसे में गर्भ समाप्त करना उसके स्वास्थ्य के लिए घातक है। पीड़िता का सुरक्षित प्रसव कराया जाना उचित है।

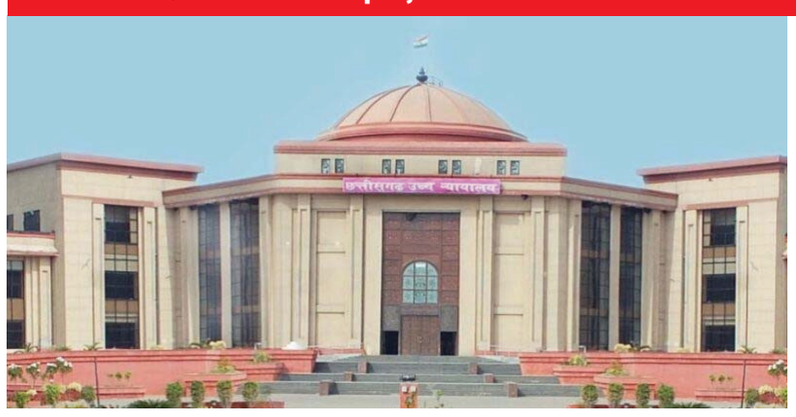

डॉक्टरों ने हाईकोर्ट को दी है रिपोर्ट

डॉक्टरों की टीम ने अपनी रिपोर्ट में कोर्ट को बताया कि, भ्रूण स्वस्थ्य होने के साथ उसमें किसी प्रकार के जन्मजात विसंगति नहीं है। पीड़िता का सहज प्रसव की तुलना में गर्भ समाप्त करना अधिक जोखिम होगा। डॉक्टरों के गर्भावस्था को समाप्त करने से इनकार करने के कारण हाईकोर्ट ने परिजनों की याचिका खारिज कर दी है। हाईकोर्ट ने कहा कि, जांच रिपोर्ट में सहज प्रसव की तुलना में अधिक गर्भपात कराने से ज्यादा जोखिम हो सकता है। लिहाजा, गर्भावस्था जारी रखें। कोर्ट ने कहा कि दुष्कर्म पीड़िता को बच्चे को जन्म देना होगा। अगर नाबालिग और उसके माता-पिता की इच्छा हो तो प्रसव के बाद बच्चे को गोद लिया जाए। राज्य सरकार कानूनी प्रावधानों के अनुसार, इसके लिए आवश्यक कदम उठाएगी।

खास खबर

बकरी चराने गई महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, जंगल में मिला शव

रायगढ़। धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र बकरी चराने जंगल गई महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला की मौत के मामले में पुलिस मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार, धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव भण्डारपारा की एक महिला सुबह 10 बजे गांव की एक महिला सिरसिला टोप्पो बकरी चराने जंगल गई थी। दोपहर के समय बारिश होने के बाद भी महिला घर वापस नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने महिला की खोजबीन शुरू की, तब उन्होंने देखा कि महिला जंगल में पड़ी मिली। इसके बाद परिजनों के द्वारा आनन-फानन में सिविल अस्पताल धरमजयगढ़ लाया गया, जहां मौके पर मौजूद डाक्टर ने प्रारंभिक जांच में ही महिला को मृत घोषित कर दिया। गांव के ग्रामीणों के द्वारा आशंका जताई जा रही है कि बारिश के दौरान गाज की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई होगी। वहीं, डाक्टरों नें बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही महिला के मौत के कारणों का पता चल सकेगा। बहरहाल महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने के मामले में धरमजयगढ़ पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में ले लिया है।

हेराफेरी के मामले में राशन दुकान संचालकों के खिलाफ एफआईआर

बिलासपुर। सरकारी राशन की हेराफेरी करने वाले दो पीडीएस संचालकों अजय मिश्रा और कैलाश नाथ मिश्रा के खिलाफसरकंडा थाने में गुरुवार को एफआईआर दर्ज की गई। दोनों दुकानों की जांच में खाद्य अधिकारियों को 1118 क्विंटल राशन का शार्टेज मिला था। बुधवार को फूड कंट्रोलर ने एफआईआर दर्ज करने सरकंडा थाना प्रभारी को चिट्?ठी लिखी थी। सुषमा प्राथमिक उपभोक्ता भंडार के अजय मिश्रा की दुकान में 849 क्विंटल चावल कम मिला। यहां 31 लाख 86 हजार रुपए के राशन की हेराफेरी पाई गई। बजरंग प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भंडार के संचालक कैलाश नाथ मिश्रा की दुकान की जांच में 268 क्विंटल चावल कम मिला। यहां कुल 10 लाख 20 हजार रुपए की धोखाधड़ी सामने आई थी।

महिला की हत्या कर शव को फेंकने वाला गिरफ्तार

कोरबा। कोरबा महिला की हत्या कर शव मेड़ के नीचे फेंकने वाले को पुलिस ने गिफ्तार कर लिया है। चैतमा चौकी क्षेत्र के कांजीपानी घुनघुट्?टीपारा में मेड़ के नीचे एक महिला का शव 25-26 अप्रैल की रात मिला था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान शांति नगर बांकीमोंगरा निवासी शंकुतला पात्रे (38) के रूप में की। मामला हत्या से जुड़ा होने पर पुलिस ने गंभीरता से जांच शुरू की। संदेह के आधार पर बनवारी साइड बांकीमोंगरा निवासी मुकेश कुमार कुर्रे (39) को हिरासत में लिया। आरोपी मुकेश कुमार कुर्रे के खिलाफ अपराध घटित करने सबूत पाए जाने पर पुलिस ने गिरफ्तार किया और आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा।

चोरी के सबमर्सिबल पंप के साथ चार युवक गिरफ्तार

बिलासपुर। चोरी का सबमर्सिबल पंप बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर हरे 4 युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। देवरीखुर्द तोरवा निवासी राम कुमार पटेल रिटायर्ड कृषिक विकास अधिकारी हैं। सीपत दर्राभाठा स्थित उनके खेत से चोर सबमर्सिबल पंप ले गए थे। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। इसी बीच सूचना मिली कि कुछ युवक ग्राम मुंगेर में सबमर्सिबल पंप को बेचने के लिए ग्राहक की तलाश में घूम रहे हैं। इस पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और युवकों को पकड़ा। उनसे डेढ़ लाख रुपए कीमती दो मोटर पंप भी बरामद किए गए।

छोटे भाई ने बड़े भाई को जिंदा जलाया, अस्पताल में इलाज के दौरान हुई मौत, आरोपी गिरफ्तार

उतई थाना क्षेत्र का मामला, रोज-रोज के विवाद से तंग आकर दिया वारदात को अंजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के उतई थाना क्षेत्र में हत्या का सनसनी खेज मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने अपने बड़े भाई को जिंदा जला दिया। गंभीर हालत में पहले उसे जिला अस्पताल ले जाया गया और वहां से उसे रायपुर रेफर किया गया। रायपुर में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इधर इस घटना के बाद उतई पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

यह पूरी घटना उतई थाना क्षेत्र के ग्राम मर्रा का है। मर्रा निवासी (27) योगेश यादव का अपने भाई हेमंत यादव (35) से पारिवारिक मतभेद हैं। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि मृतक हेमंत यादव आदतन बदमाश किस्म का व्यक्ति था जो शराब एवं नशा करने का आदी था। आये दिन घर वालो के साथ शराब पीकर वाद विवाद करता था जिससे घर के अन्य सदस्य बहुत परेशान रहते थे। 26 अगस्त की रात करीबन 8.30 बजे हेमंत यादव का उसके छोटे भाई योगेश उर्फछोटू यादव के साथ घरेलू बात पर वाद विवाद हो गया।

आवेश में आकर छोटे भाई ने पेट्रोल डालकर लगा दी आग

योगेश यादव ने आवेश में आकर हेमंत यादव को मां बहन की गंदी गंदी गालियां देते हुए तु सबको परेशान करके रखा है हमेशा शराब पीकर लडाई झगडा करता है आज तुझे पेट्रोल डालकर जला दूंगा। इतना ककहने के बाद घर में रखे पेट्रोल को हेमंत यादव पर छिड़ककर आग लगा दिया। जिससे हेमंत यादव पुरी तरह उपर सिर से पांव तक पुरा शरीर जल गया जिसे उसकी मां रामकली द्वारा आग बुझाकर 108 एम्बुलेंस से घटना के बाद हेमंत बुरी तरह झुलस गया और गंभीर हालत में उसे परिवार वाले जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जिला अस्पताल से उसे रायपुर रेफर कर दिया गया। इसके बाद उसे डीकेएस अस्पताल रायपुर में भर्ती कराया गया था, जहां पर ईलाज दौरान हेमंत यादव की मृत्यु हो गई।

आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा

घटना की सूचना के बाद उतई पुलिस ने इस मामले में हत्या का मामला दर्ज किया और आरोपी योगेश यादव को गिरफ्तार कर लिया है। उतई थाना प्रभारी विपिन रंगारी ने बताया कि घटना विवेचना के दौरान थाना उतई पुलिस द्वारा सघनता पूर्वक आरोपी की पता तलाश कर आरोपी योगेश यादव उर्फ छोटू को ग्राम मर्रा में घेराबंदी कर हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर अपराध घटित करना स्वीकार किया। आरोपी योगेश यादव के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर गुरुवार को उसे ज्युडिशियल रिमाण्ड पर जेल भेजा गया। उक्त समस्त कार्यवाही में थाना प्रभारी उतई निरीक्षक विपिन रंगारी, उप निरीक्षक कमल सिंह सेंगर, एएसआई नेमन सिंह साहू, प्रधान आरक्षक तुलसी बिंझेकर, महेश देवांगन, आरक्षक भूपेन्द्र साहू, रामकृष्ण दास, कृष्णा बंजारे, छगन लाल की सराहनीय भूमिका रही हैं।

अचानक भरभराकर गिरा मकान मलबे में दबने से शख्स की हुई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत तुलसी नगर बाईपास नहर मुख्य मार्ग पर एक मकान भरभराकर ढह गया, जिसके मलबे में एक शख्स दब गया। जहां इस घटना के बाद हड़कंप मच गया। मलबे में दबे शख्स को परिजनों ने किसी तरह बाहर निकाला और उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

तुलसी नगर बाईपास नहर किनारे गोरेलाल मलिक का परिवार रहता है। जहां उसकी पत्नी और तीन बच्चे और पिताजी एक साथ रात के वक्त खाना खाने के बाद अपने अपने कमरे में चले गए। गोरेलाल उसकी पत्नी और बच्चे अपने कमरे में चले गए। वहीं, गोरेलाल के पिता तिरगा मलिक भी अपने कमरे में सोने के लिए चले गए। अचानक लगभग 11 बजे मकान ढहने की आवाज आई। जिसके बाद गोरेलाल और उसकी पत्नी सभी दौड़कर अपने कमरे से बाहर निकले तो देखा कि उसके पिता मलबे में दबे हुए थे। वहां चीख पुकार मच गई। पति-पत्नी और बच्चों ने किसी तरह मलबे में दबे तिरगा मलिक को बाहर निकाला और उसे जिला मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

गोरेलाल ने बताया कि लगातार हुई बारिश के कारण पानी निकासी के लिए जगह नहीं है और पानी घर के बगल से होकर जा रहा था। जिसके चलते कई बार जलभराव की स्थिति भी पैदा हो चुकी है। अगर नाली निर्माण का होता तो शायद यह हादसा नहीं होता। अत्यधिक बारिश होने के चलते घर में सीलन सी आ गई थी और यह हादसा हुआ।

नशेड़ी वाहन चालकों पर दुर्ग पुलिस की कार्रवाई के बाद कोर्ट ने लगाया 1 लाख 60 हजार का जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस द्वारा इन दिनों शराब के नशे में गाड़ी चलाने वालों पर कार्रवाई कर रही है। पुलिस द्वारा ऐसे वाहन चालकों से गाड़िया जब्त कर प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। इसी कड़ी में दुर्ग न्यायालय द्वारा ऐसे 16 प्रकरणों में एक लाख 60 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। प्रत्येक वाहन चालक से मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 10-10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया।

पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला के निर्देश पर एवं एएसपी सुखनंदन राठौर के मार्गदर्शन में दुर्ग पुलिस द्वारा रात्रि के समय नशे की हालत में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने लगातार देर रात वाहन चेकिंग की कार्यवाही की जा रही है। बुधवार रात को 8 से 10 बजे के बीच जिले के समस्त थाना व चौकी एवं यातायात के द्वारा 30 फिक्स वाहन चेकिंग पॉइंट लगाया गया जिसमें 1000 से अधिक वाहन चालकों को ब्रिथएनालाइजर मशीन से चेक किया गया। वाहन चेकिंग के दौरान 21 वाहन चालक नशे के हालात में पाए गए जिनके वाहन जब्त किया गया इनमें से न्यायालय द्वारा 16 वाहन चालकों पर 1,60,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही वाहन चालकों के लायसेंस निलंबन के लिए परिवहन विभाग को भेजा गया है।

दुर्ग पुलिस की कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रही। 1100 से अधिक वाहन चालकों को ब्रिथएनालाइजर मशीन से चेक किया गया। वाहन चेकिंग के दौरान 17 वाहन चालक नशे के हालात में पाए गए जिनके वाहन जब्त किया गया।

रायगढ़ में हाथियों का आतंक, आठ घरों को तोड़ा

■ 30 किसानों की फसलों को पहुंचाया भारी नुकसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में हाथियों ने बीती रात गांव में घुसकर आधे दर्जन से अधिक मकानों को नुकसान पहुंचाते हुए कुछ बोरी धान को खाया है। साथ ही साथ दो दर्जन से भी अधिक किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाया है। इस मामले की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर नुकसान का आंकलन करते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मिली जानकारी के मुताबिक पिछले सप्ताह भर से अधिक समय से रायगढ़ जिले के जंगलों में 124 हाथी अलग-अलग दल में विचरण कर रहा है। शाम होते ही हाथी गांव पहुंचकर ग्रामीणों के फसलों और मकानों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। धरमजयगढ़ वन मंडल के अंतर्गत आने वाले कापू रेंज के कुमरता बीट के अंतर्गत आने वाले उपर सलखेता गांव में कोरवा बस्ती में जमकर उत्पात मचाते हुए सात मकानों को तोड़ा है। हाथी ने बीती रात सुकेवारी बाई कोरवा, सुखदेव कोरवा, बिशुन कोरवा, गंगाराम कोरवा, भवन साय कोरवा के अलावा एक अन्य ग्रामीण के मकान को तोड़ा है। इसके अलावा रायगढ़ वन मंडल के कोडकेल, लमदरहा में साधमती, जगेश्वर राठिया के मकान को भी क्षति पहुंचाते हुए तीन बोरी धान को खा गया है।

बीती रात हाथियों के दल ने 30 किसानों की फसलों को भी नुकसान पहुंचाया है जिसमें रायगढ़ वन मंडल के बंगुरिसया गांव में पांच किसानों की धान की फसल को नुकसान के अलावा धरमजयगढ़ वन मंडल के लमडांड, तोलगे में 10 किसानों की धान की फसल, क्रोन्धा, बायसी में पांच किसानों की धान की फसल, सागरपुर में आठ किसानों की धान की फसल, सलखेता में तीन किसानों की धान की फसल के अलावा नागदरहा, बेहरामार, हाटी में एक-एक किसानों की धान की सफल को नुकसान पहुंचाया है।

गांव-गांव में कराई जाती है मुनादी

वन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक हाथी प्रभावित क्षेत्रों में हाथी ट्रैकिंग दल एवं हाथी मित्र दल के द्वारा गांव-गांव पहुंचकर मुनादी कराते ग्रामीणों को हाथी से सावधानी बरतने की अपील की जाती है। साथ ही साथ प्रचार-प्रसार चलाते हुए हाथी प्रभावित जंगलों में किसी भी कार्य के सिलसिले में जंगल की तरफ नही जाने की बात कही जाती है। साथ ही साथ गांव में हाथी आने पर वन विभाग के अधिकारियों को तत्काल इसकी जानकारी देने की बात कही जाती है।

छत्तीसगढ़, तेलंगाना व महाराष्ट्र का वांटेड नक्सली गिरफ्तार, 24 लाख का था इनाम

■ तीन राज्यों में 35 से ज्यादा मामले, इलाज के लिए ला रहे थे जगदलपुर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र व तेलंगाना का मोस्ट वांटेड नक्सली लीडर को गिरफ्तार करने में बीजापुर पुलिस को सफलता मिली है। तीन राज्यों में 35 से ज्यादा मामलों में शामिल उक्त नक्सली लीडर पर 24 लाख रुपए का इनाम रखा गया है। बीमार होने के कारण उसे उसके साथी इलाज के लिए ले जा रहे थे इस दौरान पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा। नक्सली लीडर के कब्जे से पुलिस ने 80 हजार रुपए नकद, नोटबुक, नक्सली वर्दी व दवाइयां बरामद की हैं।

छत्तीसगढ़ में चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत बीजापुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुरुवार को महाराष्ट्र गढ़चिरौली अहेरी दलम के नक्सली लीडर डीवीसीएम विकास उर्फ सैनु मुंशी जेट्टी (35) पुत्र मुंशी जेट्टी निवासी पीड़िमाला थाना कोटी जिला गढ़चिरोली महाराष्ट्र को बीजापुर की फरसेगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि पकड़ा गया नक्सली लीडर महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ व तेलंगाना के 35 से अधिक नक्सली वारदातों में शामिल रहा। इस पर महाराष्ट्र सरकार ने 16 लाख व छत्तीसगढ़ सरकार ने आठ लाख रुपए का इनाम घोषित रखा है।

ऐसे आया पुलिस के हाथ

पुलिस के अनुसार डीवीसीएम विकास की तबीयत खराब होने के कारण उसे उसके साथी लादकर जंगल के रास्ते भटपल्ली ले जा रहे थे। भटपल्ली से उसे वाहन के जरिए जगदलपुर के किसी निजी अस्पताल ले जाने की तैयारी थी। इससे पहले की पुलिस को सूचना मिली और फरसेगढ़ थाना, छसबल 13 ई वाहिनी की संयुक्त टीम को रवाना किया गया। ग्राम भटपल्ली के जंगल में नाला के पास एक पगडंडी रास्ते घेराबंदी की गई। पुलिस को देख नक्सली लीडर विकास के साथी उसे वहीं छोड़कर भाग गए। पुलिस ने नक्सली लीडर का इलाज कराया और विशेष न्यायाधीश एनआईए कोर्ट दंतेवाड़ा के समक्ष पेश किया गया है।

दो मिलिशिया सदस्य गिरफ्तार

बीजापुर। पुलिस ने एमसीपी कार्रवाई के दौरान विस्फोटक, नक्सली पर्चे व साहित्य के साथ दो मिलिशिया सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने बताया कि जिले में चलाये जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत मोदकपाल थाना की टीम द्वारा मुख्य मार्ग पर एमसीपी लगाकर आने जाने वाले वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान भोपालपटनम से आ रही प्लेटिना दुपहिया वाहन की चेकिंग के दौरान वाहन चालक से पूछताछ पर गुमराह करने की कोशिश की गई, सन्देह होने पर वहां मौजूद जवानों द्वारा दोनो व्यक्तियों के पास रखे पिट्ठू बैग की चेकिंग करने पर कब्जे से नक्सली साहित्य, कॉर्डेक्स वायर, सेफ्टी फ्यूज, नक्सली पाम्पलेट व दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की गई। पकड़े गए संदिग्धों से बारीकी से पूछताछ करने पर अपना नाम संजेश कुंजाम पिता गुट्टा कुंजाम उम्र 24 निवासी पेद्दागेलूर टेकुलगुड़ा थाना बासागुड़ा व गणेश अवलम पिता बिच्चैम अवलम उम्र 23 निवासी टेकुलगुडा थाना बासागुड़ा जिला बीजापुर का होना बताया। पकड़े गए नक्सलियों के विरुद्ध मोदकपाल थाना में छग जनसुरक्षा अधिनियम 2005 की धाराओं में वैधानिक कार्यवाही कर रिमांड पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय बीजापुर के समक्ष पेश किया गया हैं।

धान भरे कटोरे से आया खुशहाली का नया दौर

साय के सुशासन में कृषि और किसानी को लगे नए पंख, किसानों के जीवन में आया अभूतपूर्व बदलाव

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। धान का कटोरा कहलाने वाला छत्तीसगढ़ अब धान भरा कटोरा साबित हो रहा है। विष्णुदेव साय सरकार के सुशासन में कृषि और किसानी को नए पंख लगे हैं, जिससे किसानों के जीवन में भी अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में खुशहाली का नया दौर प्रारम्भ हुआ है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशीलता का ही परिणाम है कि किसानों को खाद-बीज सहजता से उपलब्ध हो पा रहा है। प्रदेश के किसानों को मिल रहा अल्पकालीन कृषि ऋण भी उनके लिए वरदान साबित हो रहा है। किसानों के हित में संचालित हो रही कल्याणकारी और किसान हितैषी योजनाओं और निर्णयों से किसान खुश है। यह सब महज 8 महीनों की अल्पावधि में ही संभव हुआ है। मुख्यमंत्री श्री साय स्वयं किसान हैं। किसानों की तकलीफें और उनकी समस्याओं से भलीभांति वाकिफ हैं, इसलिए उनके निर्णयों में किसानों का सकारात्मक पक्ष अग्रणी नजर आता है।

छत्तीसगढ़ में प्रमुख रूप से कृषि कार्य ही लोगों के आर्थिक जीवन का आधार है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में संचालित हो रही किसान हितैषी योजनाओं से न केवल किसान लाभान्वित हो रहे हैं बल्कि अपनी आर्थिक स्थिति भी मजबूत कर रहे हैं। किसानों को समय पर खेती-किसानी के लिए आवश्यक खाद-बीज व उर्वरक सोसायटी से मिल रहा है। इसके अलावा कृषि विभाग समय-समय पर तकनीकी मार्गदर्शन भी करता है। अब तक किसानों को 12 लाख मीट्रिक टन खाद का वितरण किया गया है। वहीं 8.83 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज भी बाँटे गए हैं। राज्य सरकार ने किसानों की खेती-किसानी की प्रारंभिक जरूरतों को पूरा करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड योजना प्रारम्भ की है। इसके तहत किसानों को अल्पकालीन कृषि ऋण का वितरण किया जा रहा है।

किसानों को अब तक राज्य सरकारी बैंकों के द्वारा 2058 सहकारी समितियों के माध्यम से करीब 6281 करोड़ रूपए का अल्पकालीन कृषि ऋण वितरित किया गया है। इस योजना का मूल उद्देश्य किसानों को साहूकारों के चंगुल से बचाना है। वहीं इस योजना के माध्यम से प्रदेश के लाखों किसानों को लाभ मिल रहा है। इससे किसानों को प्रारंभिक और खेती किसानी की जरूरतों के लिए न सिर्फ राहत मिली है, बल्कि फसलों के उत्पादन में भी लगातार वृद्धि हो रही है। इससे किसानों को नया संबल मिला है और उनके मन में एक नई उम्मीद जगी है।

...जब हरेली पर मुख्यमंत्री निवास में लगा मेला

खेती किसानी का त्यौहार हरेली मुख्यमंत्री निवास में हर्षोल्लास, उमंग और पारंपरिक तरीके से मनाया गया। यह पहली बार था, जब मुख्यमंत्री निवास में इतने भव्य तरीके से किसी त्यौहार का आयोजन हुआ, वह भी ग्रामीणों और किसानों से जुड़े त्यौहार का। पूरे मुख्यमंत्री निवास कार्यालय को ग्रामीण परिवेश में सजाया गया था। यहां परंपरागत व्यंजन सारा दिन महकते रहे और निवास पर पहुंचने वाले इसका लुत्फ भी उठाते रहे। हरेली त्यौहार के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास पर ही कृषि यंत्रों की प्रदर्शन भी लगाई गई। किसानों को कृषि यंत्रीकरण मिशन के तहत 20 ट्रैक्टर और एक हार्वोस्टर का वितरण किया गया। इस मिशन के तहत राज्य के 1600 किसानों को अनुदान पर ट्रेक्टर दिए जाने का लक्ष्य तय किया गया है। सीमांत, महिला, अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के कृषकों को ट्रेक्टर 50 प्रतिशत अनुदान पर तथा अन्य वर्ग के कृषकों को 40 प्रतिशत अनुदान पर प्रदाय किया जाना है। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वयं ट्रैक्टर भी चलाया।

किसान हितैषी सरकार

छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी तथा दो साल के बकाया धान बोनस की राशि 3,716 करोड़ रूपए का भुगतान करके एक ओर जहां अपना संकल्प पूरा किया है, वहीं दूसरी ओर किसानों से बीते खरीफविपणन वर्ष में 144.92 लाख मेट्रिक टन धान की रिकार्ड खरीदी की है। किसानों को समर्थन मूल्य के रूप में 31,914 करोड़ रूपए का भुगतान एवं किसान समृद्धि योजना के माध्यम से मूल्य की अंतर की राशि 13,320 करोड़ का भुगतान करके यह बता दिया है कि छत्तीसगढ़ की खुशहाली और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का रास्ता खेती-किसानी से ही निकलेगा। किसान भी कहने लगे हैं कि यह सरकार किसानों की हितैषी है। खेती-किसानी ही छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। कृषि के क्षेत्र में सम्पन्नता से ही छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और विकसित राज्य बनाने का सपना साकार होगा। इस बात को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने इस साल कृषि के बजट में 33 प्रतिशत की वृद्धि की है। छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने संकल्प के मुताबिक समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान में प्रति क्विंटल 917 रूपए के मान से अंतर की राशि भी दे दी है। किसानों को प्रति क्विंटल के मान से 3100 रूपए के भुगतान की यह राशि देश में सर्वाधिक है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा इस साल के बजट में कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत 10 हजार करोड़ की व्यवस्था की गई है।

सिंचित रकबा बढ़ाने की कोशिश

छत्तीसगढ़ में किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री सिंचाई योजना, सौर सुजला योजना के माध्यम से सिंचित रकबे में बढ़ोत्तरी का प्रयास किया जा रहा है। नवीन सिंचाई योजना के लिए 300 करोड़ रूपए, लघु सिंचाई की चालू परियोजनाओं के लिए 692 करोड़ रूपए, नाबार्ड पोषित सिंचाई परियोजनाओं के लिए 433 करोड़ रूपए एवं एनीकट तथा स्टापडेम निर्माण के लिए 262 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान छत्तीसगढ़ सरकार ने किया है। छत्तीसगढ़ में किसानों एवं भूमिहीन मजदूरों की स्थिति में सुधार, कृषि एवं सहायक गतिविधियां के लिए समन्वित प्रयास पर राज्य सरकार का फोकस है। चालू वित्तीय वर्ष कृषि बजट 33 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 13 हजार 435 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। किसानों को सहकारी एवं ग्रामीण बैंकों से ब्याज मुक्त कृषि ऋण उपलब्ध कराने के लिए 8500 करोड़ रूपए की साख सीमा छत्तीसगढ़ सरकार ने तय की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वर्तमान खरीफसीजन को देखते हुए राज्यभर की सहकारी समितियों में सोसायटियों में गुणवत्तापूर्ण खाद-बीज भंडारण एवं उठाव की स्थिति पर निरंतर निगरानी रखने को कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि किसानों को खाद-बीज के लिए किसी भी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े, इसलिए पर्याप्त व्यवस्था की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने अपने खेती-किसानी के दीर्घ अनुभव के आधार पर कहा है कि खरीफसीजन में किसान भाइयों द्वारा डी.ए.पी. खाद की मांग ज्यादा की जाती है। इसको ध्यान में रखते हुए डी.ए.पी. खाद की मांग और सप्लाई पर विशेष निगरानी रखी जानी चाहिए। खाद-बीज की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सेंम्पलिंग एवं प्रयोगशाला के माध्यम से जांच का विशेष अभियान संचालित किया जाए।

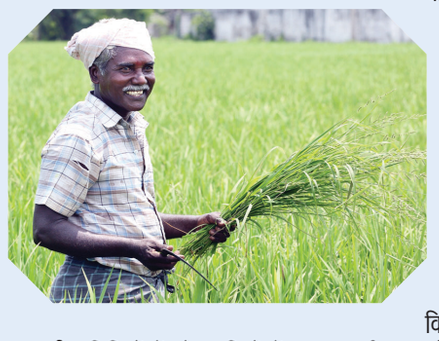

कृषि को बढ़ावा देने की अभिनव पहल

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में कृषि को बढ़ावा देने के लिए कई अभिनव पहल की जा रही है। जशपुर जिले के कुनकुरी में कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र तथा बलरामपुर जिले के रामचंद्रपुर में पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट एवं प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी महाविद्यालय, सूरजपुर जिले के सिलफिली एवं रायगढ़ में शासकीय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय तथा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के खडगंवा में कृषि महाविद्यालय खोलने की व्यवस्था बजट में की है। कृषि में आधुनिक उपकरणों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय की स्थापना एवं राज्य स्तरीय नवीन कृषि यंत्र परीक्षण प्रयोगशाला के भवन का निर्माण, दुर्ग एवं सरगुजा जिलों में कृषि यंत्री कार्यालय तथा रासायनिक उर्वरकों की जांच के लिए सरगुजा जिले में गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला की स्थापना की जाएगी। राज्य के किसानों को सहकारी एवं ग्रामीण बैंकों से ब्याज मुक्त कृषि ऋण उपलब्ध कराने के लिए 8 हजार 500 करोड़ का लक्ष्य तथा भूमिहीन कृषि मजदूरों की सहायता हेतु दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत भूमिहीन परिवारों को प्रतिवर्ष 10 हजार रूपए की आर्थिक सहायता देने के लिए बजट में 500 करोड़ रुपए का प्रावधान है।

ओलंपिक में स्वर्ण जीता तो मिलेंगे 3 करोड़

मुख्यमंत्री साय ने की घोषणा, कहा- तेजी से बढ़ रही खेल सुविधाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज़

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को तीन करोड़ रुपए, रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को दो करोड़ रुपए और कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को एक करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि देने की घोषणा की। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य खेल अलंकरण समारोह में विभिन्न खेल विधाओं के 502 प्रतिभावान खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया और उन्हें 01 करोड़ 36 लाख रूपए वितरित की। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीदों के परिजनों को शॉल, श्रीफल भेंट कर भी सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों के क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मान होने के बावजूद भी इस बात की पीड़ा है कि पिछले पांच सालों में राज्य में राज्य खेल अलंकरण समारोह का आयोजन नहीं हुआ। खिलाड़ियों की पीड़ा महसूस कर और राज्य खेल अलंकरण समारोह पुनः आयोजित करने का निर्णय लिया गया। पहला अलंकरण समारोह इसी साल 14 मार्च को आयोजित किया गया। खेल दिवस के मौके पर आज पुनः खिलाड़ियों को खेल अलंकरण से सम्मानित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में पेरिस ओलंपिक में नीरज चोपड़ा, मनु भाकर, सरबजोत सिंह, स्वप्निल कुसाले, अमन सेहरावत जैसे खिलाड़ियों ने पदक जीत कर भारत माता का यश बढ़ाया। छत्तीसगढ़ में भी खेल प्रतिभाओं को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आगामी दिनों में अच्छी अधोसंरचना तथा प्रशिक्षण के माध्यम से खेल प्रतिभाओं को निखारेंगे ताकि हमारे खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर और भी बढ़िया खेल कर अपनी प्रतिभा का झण्डा दुनिया में बुलन्द कर सकें। श्री साय ने कहा कि जशपुर तथा रायगढ़ में 105 करोड़ की लागत से इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के साथ ही नवा रायपुर में 62 करोड़ रूपए की लागत से मल्टीपर्पस इंडोर स्टेडियम तथा सिंथेटिक फुटबॉल मैदान विथ रनिंग ट्रैक बनाया जा रहा हैं। राज्य बनने के बाद पहली बार आवासीय हॉकी अकादमी रायपुर में इसी साल के अगस्त महीने में प्रारंभ हुई है। सितम्बर महीने से बालिकाओं के लिए आवासीय फुटबाल अकादमी शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही एथलेटिक अकादमी, कबड्डी अकादमी तथा तीरंदाजी अकादमी का भी संचालन कर रहे हैं। रायपुर में लक्ष्मी बाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान का ऑफ सेंटर भी शुरू किया जाएगा, जो खेलों के क्षेत्र में प्रदेश की बड़ी उपलब्धि होगी। आप सभी पूरी मेहनत के साथ अपनी खेल प्रतिभा को निखारने में जुटे रहे तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रौशन करें।

छ.ग. विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि युवा खिलाड़ियों ने इस सम्मान के लिए बहुत संघर्ष किया है। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा इस सम्मान का आयोजन रोक दिया गया था। हमारी सरकार द्वारा पुनः इस खेल अलंकरण सम्मान को शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य में खेल गतिविधि को बढ़ावा देने एवं खिलाड़ियों को हर संभव मदद देने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम को केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्यमंत्री तोखन साहू, छत्तीसगढ़ के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा एवं सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भी सम्बोधित किया। ज्ञातव्य है कि वर्ष 2021-22 के लिए शहीद राजीव पाण्डे पुरस्कार के लिए 06, शहीद कौशल यादव पुरस्कार के लिए 06, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार के लिए 02, शहीद पंकज विक्रम सम्मान 11, शहीद विनोद चौबे सम्मान के लिए 05 एवं मुख्यमंत्री ट्राफी के लिए 11 खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इसी तरह वर्ष 2022-23 हेतु शहीद राजीव पांडेय पुरस्कार के लिए 04, शहीद कौशल यादव पुरस्कार के लिए 07, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार के लिए 01, शहीद पंकज विक्रम सम्मान 15, शहीद विनोद चौबे सम्मान के लिए 05 एवं मुख्यमंत्री ट्राफी के लिए 24 चयनित खिलाड़ियों को ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 के लिए 97 पुरस्कारग्राही खिलाड़ियों को 76 लाख रुपए की पुरस्कार राशि, पदक विजेता 502 खिलाड़ियों के बैंक खाते में गए 60.33 लाख रूपए तथा खिलाड़ियों को मिला 01 करोड़ 36 लाख 33 हजार रूपए की राशि प्रदान की गई।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950